

खबर संक्षेप

किसानों की उपज पर लिमिट थोप रही सरकार
चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार पर किसानों के खिलाफ एक के बाद एक फरमान जारी करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस महासचिव और सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा है कि राज्य सरकार अब सीधे किसान की उपज पर ‘लिमिट’ थोप रही है। उन्होंने इसे एमएसपी पर तालाबंदी और खेती-किसानी को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश बताया। सुरजेवाला ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार ने इस बार धान खरीद की प्रति एकड़ सीमा तय कर दी है। लिमिट से ज्यादा उपज मंडी में लाने पर सरकारी जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने इसे किसानों की खून-पसीने की मेहनत को अपराध बताने वाला कदम करार दिया।

वोट काटने वाले सहन नहीं : सरबत पूर्निया
चंडीगढ़। अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा राज्य कमेटी भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाने और उनके विरुद्ध अभियोजन चलाने की पुरजोर मांग करती है। किसान सभा राज्य कमेटी सदस्य सरबत सिंह पूर्निया ने कहा अत्यधिक विवादित देशवापी विशेष गहन पुनरीक्षण का पहला चरण जून से सितंबर 2025 के बीच शुरू किया गया था, जिसे मुख्य रूप से बिहार में लागू किया गया। बड़ी संख्या में वास्तविक नागरिकों, विशेषकर अल्पसंख्यकों और विपक्षी दलों के समर्थकों को उनके मतदान के अधिकार से अवैध रूप से वंचित किया गया।

16 हजार किमी. सड़कों का पैचवर्क हो रहा
चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश में करीब 30 हजार 717 किलोमीटर सड़कों का रखरखाव किया जा रहा है। इनमें से 16 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों का पैचवर्क एंर्जिसियों के माध्यम से करवाया जा रहा है। यदि कोई एंर्जसी निर्धारित कार्य नहीं करती है तो उसकी बैंक गारंटी को कैश करवाकर विभाग द्वारा कार्य करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि छह किलोमीटर वाली सड़कों को कार्पेटिंग के लिए शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क नेटवर्क को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के 23 जिले नेशनल हाईवे से जुड़े हुए हैं और प्रदेश की कर्नेक्टिविटी बहतर हुई है।

महिला उद्यमियों के उत्पादों को बाजार तक भी मिले बेहतर पहुंच : राज्यपाल

चंडीगढ़। राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने वित्तीय संस्थानों से आग्रह करते हुए कहा कि वे ऋण की प्रक्रियाओं को आसान बनाकर, गारंटी (कोलेटरल) की जरूरतों को कम करके और हर स्वरूप-सहायता समूह व सूक्ष्म-उद्यम को राफ्ट-निर्माण में भागीदार मानकर ग्रामीण महिला उद्यमियों तक अपनी पहुंच मजबूत करें। राज्यपाल चंडीगढ़ में कॉन्फेंडरेशन ऑफ मुमन एंटरप्रेन्योर इंडिया द्वारा ग्रामीण जड़ों से जुड़ाव, टेक्नोलॉजी से सशक्तिकरण: महिलाओं के नेतृत्व वाले लघु उद्योगों के लिए टिकाऊ मविष्य का निर्माण विषय पर

हरिभूमि ब्यूरो►►चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए यात्रा निकाली जा रही है। इसलिए पंजाब के लोगों को नशे के खिलाफ एकजुट होकर

■ पंजाब को खड़े होना नशा मुक्त चाहिए ताकि बनाने के लिए पंजाब को यात्रा निकाली नशामुक्त बनाने जा रही के साथ साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाया जा सके। मुख्यमंत्री नायब सैनी संत कबीर कुटीर में नवांशहर से आए जन प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने टैम्पो यूनियन के प्रधान कमलजीत राणा की टीम को पार्टी में शामिल किया और पार्टी के परिवार शामिल होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने संबोधन में कहा कि कांग्रेस व आम आदमी पार्टी की गलत नीतियों के कारण ही आज पंजाब पीछे हो गया है। आम आदमी की सरकार कांग्रेस से भी ज्यादा भ्रष्टाचारी निकली है। इसलिए अब सुबे की जनता ने पंजाब में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाने और एक मजबूत एवं विकसित प्रदेश बनाने का दृढ़ निश्चय कर लिया है।

निखिल गजराज परिवहन महानिदेशक नियुक्त

चंडीगढ़। केंद्र सरकार से प्रतिनियुक्ति पूरी कर हरियाणा लौटे 2008 बैच के आईएसएस अधिकारी निखिल गजराज को राज्य परिवहन विभाग की कमान सौंपी गई है। उन्हें महानिदेशक, राज्य परिवहन, हरियाणा नियुक्त किया गया है। वह 2012 बैच के आईएसएस अधिकारी धीरेंद्र खड़गटा का स्थान लेंगे। 2011 बैच के आईएसएस अधिकारी मुकुल कुमार अब सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय विभाग के निदेशक होंगे। इसके साथ ही उन्हें मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का मिशन निदेशक नियुक्त किया गया है। मुकुल कुमार के पास गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। इसके अलावा उन्हें होस्पिटैलिटी विभाग के निदेशक एवं विशेष सचिव की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। वहीं 2013 बैच के आईएसएस अधिकारी और मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव-द्वितीय अजय कुमार को एचएसवीपी पंचकुला का मुख्य प्रशासक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त दायित्व सौंपा है।



आयोजित विमैस इंटरनेशनल समिट ऑन एंटरप्रेन्योरशिप 2026 के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष भी विशेष रूप से उपस्थित रहें।

आईडीएफसी फर्स्ट व एयू स्मॉल फाइनैस बैंक घोटाले की चार्जशीट में खुलासा तीन आईएस की आवाज वॉयस नोट्स से मैच ‘सुकून’ ग्रुप में मिली ‘महाघोटाले’ की बातचीत

हरिभूमि ब्यूरो►►चंडीगढ़

818.96 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले की जांच में सीबीआई ने सरकारी अधिकारियों, बैंक कर्मचारियों और बिचौलियों के बीच कथित सांठगांठ के कई अहम साक्ष्य जुटाने का दावा किया है। अदालत में दाखिल पूरक चार्जशीट के अनुसार, ‘सुकून’ नाम के वॉट्सऐप ग्रुप में घोटाले से संबंधित चैट और वॉयस मैसेज मिले हैं। फॉरेंसिक जांच में तीन आईएसएस अधिकारियों के वॉयस सैंपल ग्रुप में मौजूद वॉयस नोट्स और रिकॉर्डेड चैट से मैच होने की बात कही गई है।

योजना बनाकर लूट

सीबीआई के अनुसार, घोटाले में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनैस बैंक से जुड़े खातों में

सीबीआई का खुलासा : फर्जी एफडी, जाली चेक और फंड ट्रांसफर की बातचीत का दावा

► फॉरेंसिक रिपोर्ट के हवाले से सीबीआई ने तत्कालीन आयुक्त एवं सचिव पंकज अग्रवाल, तत्कालीन आयुक्त नगर निगम पंचकुला राम कुमार सिंह और तत्कालीन सदस्य सचिव हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रदीप कुमार की आवाज के वॉयस नोट्स और रिकॉर्डेड कॉल से मिलान होने की बात कही है। रिपोर्ट के अनुसार, पंकज अग्रवाल की आवाज बैंक प्रबंधक रिमव ऋषि और बिचौलिये विक्रम वाधवा के साथ हुई बातचीत में, राम कुमार सिंह की आवाज नगर निगम के खातों से जुड़े फंड ट्रांसफर और चेक क्लीयरेंस संबंधी बातचीत में तथा प्रदीप कुमार की आवाज बैंकों में कथित अनधिकृत खातों और फंड ट्रांसफर से संबंधित संदेशों में मिली।

कथित तौर पर फर्जी एफडी, जाली चेक, अनधिकृत फंड ट्रांसफर और कमीशन के लेनदेन की योजना बनाई गई। चार्जशीट में कहा गया है कि इन गतिविधियों से संबंधित बातचीत ‘सुकून’ वॉट्सऐप ग्रुप में दर्ज मिली। चार्जशीट में वॉट्सऐप चैट के माध्यम से फर्जी एफडीआर तैयार

करने, चेक क्लीयर कराने और सरकारी फंड ट्रांसफर करने संबंधी बातचीत का भी उल्लेख किया गया है। कुछ चैट में कथित कमीशन के भुगतान, नकदी और सोने में रकम बदलने तथा अधिकारियों के यात्रा और होटल खर्च से संबंधित बातचीत का भी जिक्र है।

वॉयस मैचिंग रिपोर्ट तैयार की जा रही

सीबीआई के अनुसार, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक रिमव ऋषि और मुख्य बिचौलिये विक्रम वाधवा की आवाज भी संबंधित बातचीत में पहचानी गई है। जांच एजेंसी का कहना है कि जब्त फोन और स्पेक्टोग्राफिक जांच के आधार पर आवाजों का मिलान किया गया है। हालांकि, जांच अभी जारी है। सीबीआई के मुताबिक बाद में जप्त किए गए कुछ मोबाइल उपकरणों, एनक्रिप्टेड चैट बैकअप और डिलीट ऑडियो फाइलों की अतिरिक्त वॉयस मैचिंग रिपोर्ट तैयार की जा रही है। एजेंसी का कहना है कि इन साक्ष्यों से मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका सामने आ सकती है।

■ मुख्यमंत्री पहुंचे अमृतसर, पार्टी में शामिल हुए कार्यकर्ताओं को किया संबोधित



युवाओं को रोजगार देने में विफल रही भगवंत सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब सरकार को रोजगार के मुद्दे पर जनता के सामने स्पष्ट जवाब देना चाहिए। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 20 लाख युवाओं को रोजगार देने की बात कही थी, इसलिए सरकार को श्वेत पत्र जारी कर यह बताना चाहिए कि पांच साल में वास्तव में कितने युवाओं को रोजगार दिया गया। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देना केवल चुनावी वादा नहीं, बल्कि उनके भविष्य और परिवार की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा विषय है। मुख्यमंत्री शनिवार को पंजाब दौरे के दौरान अमृतसर में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पार्टी में शामिल होने वाले संबोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस ने भी हर घर में रोजगार का वादा किया था, इसी प्रकार आम आदमी पार्टी ने भी जनता से वादे किए। लेकिन जनता के सामने आज यह सवाल खड़ा है कि इन वादों का वास्तविक परिणाम क्या रहा।

हरियाणा-पंजाब की सम्यता और संतों की विरासत साझी



चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा-पंजाब की सम्यता, संस्कृति और संतों की विरासत साझी है। मुख्यमंत्री शनिवार को पंजाब के होशियारपुर में प्रथम पातशाह गुरु नानक देव के बड़े साहिबजादे बाबा श्री चंद के 532वें प्रकाश पर्व और पूर्णमासी के पावन अवसर पर आयोजित ‘सर्वधर्म सम्मेलन’ को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

पंचकुला की ग्रीन बेल्ट को मिलेगा नया स्वरूप: पांडुरंग



चंडीगढ़। पंचकुला को अधिक सुख्यवस्थित, हरित और नागरिक सुविधाओं से युक्त शहर बनाने की दिशा में पंचकुला मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएमडीए) द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इस कड़ी में पीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के.एम. पांडुरंग ने शनिवार को पंचकुला शहर के विभिन्न सेक्टरों का दौरा कर ग्रीन बेल्ट, पैदल आवागमन तथा प्रमुख जंक्शनों की स्थिति का मौके पर निरीक्षण किया और अधिकारियों को इनके समुचित विकास एवं सुधार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पांडुरंग ने सेक्टर-1, 3, 21, 4, 2, 6 और 7 की ग्रीन बेल्ट का दौरा किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ ग्रीन बेल्ट की वर्तमान स्थिति तथा नागरिकों की सुविधा के लिए किए जा सकने वाले विकास कार्यों पर चर्चा की।

‘घूमण आओ, हरियाणा देखो’ से प्रदेश के पर्यटन को नई पहचान देने की तैयारी

चंडीगढ़। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार प्रदेश को केवल आवागमन के मार्ग के बजाय प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। सरकार की ओर से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ‘घूमण आओ, हरियाणा देखो’ संदेश के साथ विरासत, आध्यात्मिक, इको, एडवेंचर, ग्रामीण और फार्म टूरिज्म समेत विभिन्न क्षेत्रों पर फोकस किया जा रहा है। प्रदेश के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार का प्रयास है कि पर्यटक हरियाणा से केवल गुजरें नहीं, बल्कि यहां ठहरें, प्रदेश की संस्कृति

■ 42 पर्यटन परिसरों, 20 पर्यटन हब और गंतव्य क्षेत्रों पर फोकस

और विरासत को करीब से देखें और यादगार अनुभव लेकर लौटें। प्रदेश में विरासत, आध्यात्मिक एवं तीर्थ, इको, एडवेंचर, ग्रामीण एवं फार्म टूरिज्म, होमस्टे, गोल्फ, एमआईसीआई और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 20 पर्यटन हब एवं गंतव्य क्षेत्रों की पहचान की गई है। हरियाणा पर्यटन निगम के पास वर्तमान में 42 पर्यटन परिसरों का नेटवर्क है। इनमें 842 वातावरुकूलित कमरे, आठ डोरमेट्री और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सीएम के दौरे से पहले साइबर नगरी की सुरक्षा चाक-चौबंद

■ गुरुग्राम में मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे नायब सैनी

योगेंद्र शर्मा►►चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को गुरुग्राम दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ सुनने के साथ-साथ कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पंजाब दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री का पूरा दिन गुरुग्राम में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए निर्धारित है। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले शहर में कई सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। मुख्यमंत्री सुबह करीब नौ बजे गुरुग्राम विश्वविद्यालय के सेक्टर-51 परिसर पहुंचेंगे। यहां अशोक सिंघल जन्म शताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन गुरुग्राम विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग और वसुधैव कुटुम्बकम सेवा संस्थान की ओर से किया जा रहा है। समारोह को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जिले के अधिकारी मुस्तैद

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थलों का जायजा लेकर तैयारियों की समीक्षा की है। प्रदेश मुख्यालय की ओर से भी कार्यक्रमों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी पिछले कुछ समय से पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार दौरे कर रहे हैं।

इसके बाद मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे सेक्टर-48 स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर पहुंचेंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम को सुनेंगे। इस दौरान भाजपा संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

।। तृतीय ई-प्रोक्वोरमेंट निविदा सूचना ।।

क्र./1361/लो.क.वि./न.पा./2026

कुम्हारी, दिनांक 22/09/2026

एकीकृत पंजीमन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत टेकदेवों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टैन्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1999921	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumnari, Chhattisgarh	112.45	05.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापन निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्वोरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी**



UNIVERSITY OF DELHI
Accredited A++ Grade (CGPA 3.65) in third cycle by NAAC, Category (University Status Awarded by UGC)
OPEN LEARNING DEVELOPMENT CENTRE
CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION (CDOE)
(Erstwhile School of Open Learning (SOL))
Campus of Open Learning, University of Delhi



We are offering

Online Foreign Language Courses

Foreign Language Courses Offered in Offline & Online Mode			
Arabic	Chinese	French	German
Italian	Japanese	Korean	Persian
Portuguese	Russian	Spanish	



Courses will be offered through Online Mode, and examinations will be conducted in Online or Offline mode (designated examination centres located in the capitals of all States).



An excellent opportunity for students living in remote areas and working professionals.



A great opportunity to earn a Certificate from the University of Delhi.

Contact Details: Phone No. : 011-65213030, 011-35663474 | Email ID: cifl@oldcdu.ac.in | cifl.oldcdu.ac.in



भारतीय थल सेना
JOIN INDIAN ARMY AS AN OFFICER
www.joinindianarmy.nic.in



अधिकारी प्रविष्टि

तकनीकी स्नातक कोर्स (टी जी सी-145) (जुलाई 2027 में निर्धारित) के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आवेदन 30 सितम्बर 2026 से 29 अक्टूबर 2026 तक खुले रहेंगे।

OFFICER ENTRY

Online applications are invited for Technical Graduate Course (TGC-145) (scheduled in July 2027).

Applications will remain open from 30 Sep. 2026 to 29 Oct. 2026.

नोट :-

- सेना में भर्ती पूर्णतया पारदर्शी और मुफ्त है। दलालों से सावधान रहें।
- विस्तृत नोटिफिकेशन और जानकारी के लिए, कृपया www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।

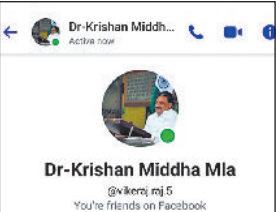
Note :

- Recruitment in the Army is totally transparent and free. Beware of touts.
- For detailed Notification, please visit www.joinindianarmy.nic.in.

CBC 10601/11/0030/2627



खबर संक्षेप



विस डिटी स्पीकर के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बना मांगे रुपये जीद। हरियाणा विधानसभा के डिटी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिट्ठा के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर रुपये मांगने का मामला सामने आया है। डिटी स्पीकर के मीडिया कार्डिनेटर सन्नी मग्गू की शिकायत पर शहर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस जांच किया गया है। शिकायत में बताया कि डॉ. कृष्ण मिट्ठा विदेश दौरे पर है। गत 22 सितंबर को उनके जानकार के पास डॉ. कृष्ण लाल की फेसबुक से एक लाख 15 हजार रुपये मांगने का मैसेज आया। आरोपित ने खुद को सीआरपीएफ का अधिकारी बताया। साथ ही डिटी स्पीकर द्वारा उसका नंबर दिए जाने का मैसेज भी दिया गया। मैसेज में रुपयों के बदले घरेलू सामान ले जाने की बात कही है। पेमेंट गगुल पे नंबर पर करने के लिए कहा है। जब उन्होंने आईडी को देखा तो वह फर्जी पाई गई।

आईजीयू की चौथी मंजिल से गिरकर इलेक्ट्रिशियन की मौत
मोरपुर। रेवाड़ी जिले के मोरपुर में स्थित इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी (आईजीयू) में शुक्रवार रात एक ब्लॉक की बिल्डिंग में काम कर रहे इलेक्ट्रिशियन की चौथी मंजिल से गिरने से मौत हो गई। काकोड़िया निवासी 45 वर्षीय बलवान इलेक्ट्रिशियन का कार्य करता था। शुक्रवार को वह यूनिवर्सिटी के एक ब्लॉक की चौथी मंजिल पर बिजली का कार्य कर रहा था। बिल्डिंग में लिफ्ट के लिए खाली जगह छोड़ी हुई है। बलवान को खाली जगह दिखाई नहीं दी, जिस कारण वह वहां से नीचे गिर गया। वहां मौजूद कर्मचारियों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएचओ फूल कुमार ने बताया कि रात का अधेश होने के कारण बलवान को लिफ्ट के लिए खाली छोड़ी गई जगह दिखाई नहीं दी, जिस कारण वह नीचे गिर गया।

वार्ड बॉय ने गर्भवती महिला से की छेड़छाड़, हंगामे पर किया सस्पेंड
पलवल। होडल के नागरिक अस्पताल में डिलीवरी के लिए आई एक गर्भवती महिला से वार्ड बॉय ने छेड़छाड़ की। जानकारी मिलने पर परिजनों ने हंगामा किया। डायल 112 पर पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी वार्ड बॉय मौके से फरार हो गया। अस्पताल के एसएमओ डॉ. संजीव तोमर ने आरोपी वार्ड बॉय महेंद्र को सस्पेंड कर दिया है। शिकायत के मुताबिक, रात करीब 11 से 11:30 बजे के बीच वार्ड बॉय महेंद्र महिला के बेड के पास पहुंचा और अश्लील हरकत की।

सप्ताह के दिनों के हिसाब से होगी मंडी मे खरीद प्रदेश की 249 मंडियों में धान खरीद के लिए एजेंसियां की तय

■ खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने जारी किया शेड्यूल, फूड एंड सप्लाय, हैफेड और हरियाणा वेयर हाउस करेगी खरीद

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2026-27 के दौरान पीआर किस्म के धान की सरकारी खरीद को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए प्रदेश की 249 मंडियों एवं खरीद केंद्रों का खरीद एजेंसियों में आवंटन कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से जारी आदेश में मंडियों को संबंधित खरीद एजेंसियों को विशेष अथवा संयुक्त रूप से आवंटित किया गया है। विभाग के अनुसार आवंटित मंडियों एवं खरीद केंद्रों का संचालन संबंधित खरीद एजेंसियां करेंगी। जिन मंडियों को संयुक्त रूप से आवंटित किया गया है, वहां अलग-अलग एजेंसियों के लिए खरीद के दिन निर्धारित किए गए हैं। इससे खरीद व्यवस्था में एजेंसियों के बीच समन्वय बनाए रखने और किसानों से धान की खरीद को निष्पक्ष कार्यक्रम के अनुसार संचालित करने की व्यवस्था की गई है। खास बात यह है कि इस बार भारतीय खाद्य निगम यानि एफसीआई धान की सरकारी खरीद नहीं करेगी

एशियन गेम्स : भारतीय पुरुष और महिला टीम की स्वर्णिम जीत में हरियाणा के 13 खिलाड़ी छार किसानों के बच्चों ने खेतों में कबड्डी खेल सोना जीता

हरिभूमि न्यूज ►► चंडीगढ़

जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया है। रोमांचक फ़ाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने ईरान को पराजित कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस स्वर्णिम जीत में हरियाणा का विशेष योगदान रहा है, क्योंकि स्वर्ण पदक विजेता भारतीय पुरुष कबड्डी टीम में प्रदेश के 8 प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल हैं। हरियाणा की माटी से जुड़े इन खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल, क्षमता और अनुशासन के बल पर विश्व स्तर पर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। वहीं, महिला टीम में भी प्रदेश की पांच खिलाड़ी रहीं। अधिकतर खिलाड़ी हरियाणा के किसान परिवारों से हैं, जिन्होंने खेत की माटी में ही प्रैक्टिस कर वह सोना उगा डाला।

अयान के गांव में लगोगा देसी घी का भंडारा
बहादुरगढ़। बुनियां के कबड्डी स्टार अयान 30 सितंबर को गांव पहुंचेंगे। मां सोनिया और दादी खजानी ने कहा कि देश के लिए सोना जीतकर लौटने वाले लाडले को अपने हाथों से देसी घी का चूरमा खिलाएंगी। वहीं, गांव में उसकी जीत की खुशी में देसी घी का भंडारा लगाया की तैयारी भी की जा रही है। अयान प्रो कबड्डी लीग में भी अपनी पहचान बना चुके हैं। अब एशियन गेम्स में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीतना उनके खेल सफर की बड़ी उपलब्धि है।

सड़क हादसे में नौकरीपेशा मृतका के परिवार को हाईकोर्ट ने दी राहत घरेलू कामों को आय मानकर बढ़ाया 12.81 लाख मुआवजा

■ दो बच्चों की मां की घरेलू जिम्मेदारियों को देखते हुए तीन हजार रुपये महीना आय में जोड़े

हरिभूमि न्यूज ►► चंडीगढ़

सड़क हादसे में पत्नी और मां को खोने वाले परिवार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा तय 9.80 लाख रुपये के मुआवजे को बढ़ाकर 22.62 लाख रुपये कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मृतक की केवल नौकरी से मिलने वाली आय को आधार बनाकर मुआवजा तय नहीं किया जा सकता। वह पत्नी और दो स्कूली बच्चों की मां होने के साथ परिवार की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभा रही थी। इस घरेलू योगदान को भी मुआवजे के आकलन में ध्यान में रखना होगा। साथ ही कोर्ट ने बस चालक के पास भारी वाहन चलाने का वैध लाइसेंस नहीं पाए जाने पर बीमा कंपनी को चालक और वाहन मालिक से मुआवजे की राशि वसूलने का अधिकार दे दिया। मामला 20 अक्टूबर 2010 का है। राकेश कुमार अपनी मीना ठाकुर के साथ स्कूटर पर चंडीगढ़ सेक्टर-35 स्थित घर लौट रहे थे। करीब दोपहर 3:15 बजे किसान

भवन चौक के पास पीछे से आई बस ने उनके स्कूटर को टक्कर मार दी। इसमें मीना की मौत हो गई। हादसे के समय मीना ठाकुर की उम्र 35 वर्ष थी। वह पंचकूला के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक कंपनी में रिसोर्सेन्सिटी के पद पर कार्यरत थीं और नौ हजार रुपये मासिक वेतन प्राप्त कर रही थीं। जस्टिस अमरजोत भट्टी ने राकेश कुमार व अन्य तथा नेशनल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की अपीलों पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने पाया कि टिब्यूनल ने मृतका की आय केवल नौ हजार रुपये मासिक मानी थी। जबकि वह पति और 11 वर्षीय बेटी तथा नौ वर्षीय बेटे की देखभाल भी कर रही थी। हाईकोर्ट ने उसकी आय में घरेलू जिम्मेदारियों के लिए तीन हजार रुपये जोड़कर मासिक आय को 12 हजार रुपये मानी। इसके बाद भविष्य की आय में 50 प्रतिशत वृद्धि जोड़ते हुए मासिक आय 16,500 रुपये तय की गई। 35 वर्ष की उम्र के आधार पर 16 का गुणक लगाकर निर्भरता की राशि 21.12 लाख तय की गई। इसके अलावा कंसोर्टियम, संपत्ति के नुकसान और अंतिम संस्कार के मद में राशि जोड़कर कुल मुआवजा 22.62 लाख रुपये किया गया। इस तरह करीब 12.81 लाख रुपये मुआवजा बढ़ाया गया।

जमानत पर आते ही साथियों संग हाईवे पर किया हंगामा, 6 गिरफ्तार, 5 गाड़ियां जल्द



कैथल। राष्ट्रीय राजमार्ग-152 पर तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाकर आमजन की सुरक्षा को खतरें में डालने तथा यातायात व्यवस्था प्रभावित करने व हड़दंगबाजी करने के मामले में सीआईएफ कलायत पुलिस द्वारा 6 आरोपियों को गिरफ्तार करके 5 गाड़ियों को जब्त किया गया है। सीआईएफ कलायत प्रभारी एसएसआई मनीष कुमार ने बताया कि 22 सितंबर की रात करीब 9 बजे अंबाला-हिसार राष्ट्रीय राजमार्ग-152 पर गांव खरक पांडवा के पास कई गाड़ियां तेज गति एवं लापरवाही से चलाई जा रही थी। जांच में सामने आया कि गांव खरक पांडवा निवासी जयप्रकाश उर्फ जेपी 22 सितंबर को जिला जेल करनाल से जमानत पर बाहर आया था। उसे लेने के लिए उसके साथी कई गाड़ियों में करनाल जेल पहुंचे थे। वापस गांव की ओर आते समय तितरम से गांव खरक पांडवा की तरफ एनएच 152 पर गाड़ियों को तेज एवं लापरवाहीपूर्ण तरीके से चलाकर यातायात प्रभावित किया गया। जांच सीआईएफ कलायत पुलिस के एचसी विनोद कुमार की टीम द्वारा करते हुए, आरोपी खरकपांडवा निवासी जयप्रकाश उर्फ जेपी, सुनील, साहिल, सुमित, कैथल निवासी नमनप्रीत, बलबेहड़ा निवासी राजेश को गिरफ्तार किया है।



जापान में एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने के बाद भारतीय कबड्डी पुरुष टीम।

स्वर्ण जीत कप्तान ने मां से किया वादा पूरा किया

गोहाना। एशियन गेम्स में भारतीय कबड्डी टीम के स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही मैसवाल कला निवासी और टीम के कप्तान सुनील ने अपनी मां गुड्डी से किया वादा पूरा कर दिया। प्रतियोगिता के लिए रवाना होने से पहले सुनील ने मां से कहा था कि वह देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर ही वापस लौटेगा। शनिवार को भारतीय टीम की शानदार जीत के बाद यह खबर गांव पहुंची तो मैसवाल कला में खुशी की लहर दौड़ गई। सुनील के छोटे भाई सुमित ने बताया कि सुनील ने करीब 14 वर्ष की उम्र में कबड्डी खेलना शुरू किया था। इस प्रतिभा को निखारने के राजकीय स्कूल में हुई। पूजा टीम में रेडर के तौर पर खेलती हैं। अर्जुन अवॉर्डि पूजा 2023 एशियाई खेलों व 2025 बांग्लादेश में हुए वर्ल्ड कप और एशिया गेम्स में भी गोल्ड जीत चुकी है।

अर्जुन अवॉर्डि पूजा का दिखा जलवा

जौड़।जापान में हो रहे एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम की जीत में जौड़ के हथवाला गांव की पूजा भी चमकी। उनके गांव हथवाला में भी जश्न का माहौल है। दादा स्व. प्रेम सिंह से प्रेरित होकर पूजा ने कबड्डी खेलना शुरू किया और देखते ही देखते मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के दम पर खेल की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। पूजा के भाई साहिल ने बताया कि वह दो भाई बहन हैं। साहिल की जुलान में इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है और उसकी बहन पूजा अंबाला में रेलवे विभाग में सुपरिटेंडेंट हैं। पिता धर्मद किसान हैं और मां नीलम गृहणी हैं। 23 वर्षीय पूजा ने 13 साल की आयु में खेलना शुरू किया था। उनकी शुरुआती शिक्षा भी गांव के राजकीय स्कूल में हुई। पूजा टीम में रेडर के तौर पर खेलती हैं। अर्जुन अवॉर्डि पूजा 2023 एशियाई खेलों व 2025 बांग्लादेश में हुए वर्ल्ड कप और एशिया गेम्स में भी गोल्ड जीत चुकी है।



जापान में एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने के बाद भारतीय कबड्डी महिला टीम।

हिसार की दो खिलाड़ी चमकीं

हिसार। एशियन गेम्स-2026 में गोल्ड जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम में हिसार जिले की मनीषा रोहिल और निकिता कुमारी ने भी अहम भूमिका निभाई। जिले के गांव भिवानी रोहिल्ला की मनीषा रोहिल ने पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम के डिफेंस में लेफ्ट कवर की जिम्मेदारी संभाली। मनीषा की इस स्वर्णिम सफलता से गांव भिवानी रोहिल में खुशी की लहर दौड़ गई है और जश्न का माहौल बना हुआ है। मनीषा के पिता राजपाल पेशे से किसान हैं। मनीषा ने गांव के ही मैदान से कबड्डी का अभ्यास शुरू किया और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अलावा चीन में आयोजित एशियाई कबड्डी प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता। मनीषा की इस सफलता के पीछे कोच धर्मपाल रोहिल का अहम योगदान रहा है। इसी तरह हसनगढ़ गांव की निकिता कुमारी भारतीय महिला कबड्डी टीम में लेफ्ट रेडर की भूमिका निभा रही हैं। ईरान के खिलाफ युग मुकाबले में उन्हें अंतिम समय में खेलने का मौका मिला था, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम के लिए 10 महत्वपूर्ण अंक जुटाए।

खेल नीति व खिलाड़ियों की मेहनत रंग लाई

भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी ताकत, अद्भुत कौशल और अटूट टीम भावना का परिचय देकर पूरे देश की गौरवान्वित किया है। एशियन गेम्स में हरियाणा के युवाओं का यह शानदार प्रदर्शन प्रदेश की प्रगति व प्रोत्साहनकारी खेल नीति और खिलाड़ियों की दिन-रात की कड़ी मेहनत का परिणाम है। राज्य सरकार पदक विजेताओं को प्रोत्साहित करने, उन्हें उत्कृष्ट खेल सुविधाएं और हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई।



- नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री, हरियाणा

पूरे कबड्डी परिवार का सिर गर्व से ऊंचा हुआ

चरखी दादरी। एमच्योर कबड्डी एसोसिएशन हरियाणा के अध्यक्ष एवं केबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने खिलाड़ियों को बधाई दी। जापान में खेल के साक्षी रहे एशियन गेम्स के जूरी मेम्बर एवं एसोसिएशन के चेयरमैन कुलदीप दलाल ने कहा कि भारतीय कबड्डी टीमों की यह स्वर्णिम सफलता वर्षों की मेहनत, उत्कृष्ट प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के समर्पण का परिणाम है। महासचिव नसीब जानू ने कहा कि पूरे कबड्डी परिवार का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है।

सड़क हादसे से खुला शराब तस्करी का राज

कंटेनर में पंखों के डिब्बों के पीछे छिपाई 276 पेटी शराब पकड़ी

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर शुक्रवार को हुए हादसे के बाद कंटेनर छोड़कर चालक फरार हो गया था। हादसे में एक मोटर मैकेनिक की मौत होने के कारण पुलिस से कंटेनर कब्जे में ले लिया था। जांच के दौरान पुलिस को कंटेनर से 276 पेटी शराब बरामद की। मामले के अनुसार, एक कंटेनर ट्रक ने बावल के पास नेशनल हाइवे किनारे खड़े एक कैटर को टक्कर मार दी थी। हादसे में कैटर सियर कर रहे एक मोटर मैकेनिक की मौत हो गई थी, जबकि उसका मालिक गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने कंटेनर चेक किया तो पहले पंखों के कार्टून भरे हुए मिले। इसके बाद शराब की पेटियां निकलनी शुरू हो गईं। कंटेनर से 276 पेटी शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, कंटेनर गाजियाबाद से एक कंपनी के पंखे लोड करने के बाद मुंबई के लिए चला था। इसमें एक हजार पंखे लोड किए गए थे, जिनकी बिल्टी भी पुलिस को मिल गई। पंखों के पीछे शराब छुपाई थी, जो अंग्रेजी महंगे ब्रांड की शराब है। मालिक से संपर्क करने के बाद पता चला कि इसका चालक नूंह जिले का रहने वाला रिसाल सिंह है।

रेलवे मर्ती में दूसरे की जगह दौड़ लगाने आए बिहार के चार युवक गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने रेलवे स्टेशन अंबाला छावनी में आयोजित रेलवे परीक्षा के फिजिकल टेस्ट में असली अभ्यर्थियों के स्थान पर फर्जी तरीके से मांग लेने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। उप निरीक्षक नरेश कुमार ने बताया कि उत्तर रेलवे अंबाला छावनी के सहायक अधिकारी सुरेश कुमार ने 25 सितंबर को थाना अंबाला छावनी में एक शिकारत दर्ज कराई थी। शिकारत में बताया गया कि 22 सितंबर से 25 सितंबर के बीच रेलवे

स्टेशन अंबाला छावनी में रेलवे परीक्षा चल रही थी। इस दौरान चार संदिग्ध युवकों ने प्रवेश किया। बायोमेट्रिक मिलान के दौरान इन आरोपियों का डेटा मैच नहीं हुआ। शक होने पर जब उनसे पूछताछ की तो उन्होंने खुलासा किया कि वे असली अभ्यर्थियों के स्थान पर दौड़ने आए थे। पुलिस ने प्रहलाद निवासी लखीसराय (बिहार), जगत निवासी नालंदा (बिहार), उज्जवल निवासी जहानाबाद (बिहार) व गोलू निवासी जहानाबाद (बिहार) को गिरफ्तार किया।

PURAN MURTI EDUCATIONAL SOCIETY INVITES APPLICATIONS FOR THE FOLLOWING INSTITUTES

PURAN MURTI COLLEGE OF LAW

Approved by BCI Affiliated to Maharishi Dayanand University, Rohtak | Kami Road, Sonipat
Invites Applications from Eligible Candidates for the following position on regular basis:-

Principal-01, Professor in Law-04, Associate Professor in Law-08, Assistant Professor in Law-16, Assistant Professor two each in History, English, Hindi, Economics, Pol. Science & Sociology. Non-Teaching Staff:- Librarian-01, Administrative Officer-01, Office Assistant-cum-Accountant-01, Clerk-cum-Typist-04, Library Attendant-02, Lab. Attendant-03, Store-Keeper-01, Computer Operator-02, Technical Assistant-01, Mali-03, Peon-04, Chowkidar-04 & Sweeper-03

Qualifications, Pay Scales & Experience as per UGC, BCI & MDU Norms. Interested Candidates may apply in prescribed form with all testimonials within 21 days from the date of publication of Advertisement. The Application form may be collected from the office of the college during office hours or may be downloaded from the website of the college i.e. puranmurti.com, puranmurti.law.com. The Application complete in all respect may be submitted to the President, Puran Murti College of Law, Kami Road, Sonipat, Haryana-131001, by Hand/ Post/ email. A copy of the Application form must be sent to the Dean, College Dev. Council, MDU, Rohtak by Speed Post/ By hand within due period. Note:- The candidates who have earlier applied against the advertisement dated 23.01.2026 & 28.05.2026 are also required to submit a fresh application.

PURAN MURTI VIDYAPEETH

Approved by AICTE & Affiliated to DCRUST and HSRT Kami Road, Sonipat (Delhi-NCR), Haryana-131001
Invites Applications from Eligible Candidates for the position of Principal, HOD, Academic Dean, Professors, Associate Professors, Assistant Professor in the following disciplines

M.Tech/B.Tech/Polytechnic: AME, Aeronautical Engg, Aerospace Engg, Automobile Engg, CSE & AIML, Civil Engg, ECE, EE, ME, DMLT, Fire Technology, Hotel Management, X-Ray Technician, BCA, BBA, MBA, Physics, Chemistry, Maths, English.

Eligibility Criteria, Pay Scales shall be as per UGC, AICTE & State Government/ DCRUST norms

Applications are invited separately for each institute for the following Non-Teaching Posts – Director-IQAC, Registrar/ Deputy Registrar, Administrative Officer, Accountant, Assistant Accountant, Computer System Administrator, Librarian, Assistant Librarian, Library Assistant, Lab Attendant, Computer Lab Instructor/ Assistant, Personal Assistant, Receptionists, Clerk-cum-Typist, Office Assistant-cum-Accountant, Data Entry Operator, Network Engineer, Training and Placement Officer, Tele-caller, Admission Counsellor, Lab Technicians/ Assistants / Instructors, Transport In charge, Hostel Warden (Boys and Girls), HR Manager, DPE, Estate Officer, Social Media Marketer, , Front Desk Officer, Content Writer, Security Guard, Peons, Gardeners, Sweeper, Mali, Chowkidar, Driver and Conductor.

Interested Candidates may apply in prescribed form with all testimonials within 21 days from the date of publication of Advertisement. The Application form may be collected from the office of the Institute during office hours or may be downloaded from the website of the Institute. The Application completed in all respect may be submitted to the President, Puran Murti Educational Society, Kami Road, Sonipat, Haryana-131001, by Hand/ Post/ email. It is also mandatory to submit a copy of the Application along with all Testimonials to the concerned University by Speed Post/ By hand/ Email, before expiry of Last Date.

Send us your resume at : puranmurti@gmail.com please clearly mention the position and name of the college in your resume

www.puranmurti.com

PURAN MURTI COLLEGE OF PHARMACY

Approved by PCI, Ministry of HRD | Affiliated to HSRT, Panchkula
Affiliated to Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Sciences, Rohtak, Kami Road, Sonipat

Invites Applications from Eligible Candidates for the position of Principal, Professor, Associate Professor, Assistant Professor and Non-Teaching Staff in the courses **B. Pharmacy and D. Pharmacy**

Eligibility Criteria, Pay Scales shall be as per UGC, PCI & Pt. BDSUHS norms

President

7438900900

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99	
भारत का राजपत्र	
ची.जी.-डी.एल.-अ.-23092026-276440	
असाधारण	
भाग II – खण्ड 3 – उप-खण्ड (ii)	
प्राधिकार से प्रकाशित	
नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 23, 2026/आश्विन 1, 194८	

रेल मंत्रालय

[उत्तर रेलवे (निर्माण संगठन)]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 2026

का.आ. 5229(अ).— केन्द्रीय सरकार ने रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20 (क) उप धारा (1) के अधीन भारत के राज पत्र असाधारण भाग. II, खण्ड. 3, उपखंड(II) में प्रकाशित भारत सरकार के रेल मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 4408(अ) तारीख 26—09—2025 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), द्वारा उक्त अधिसूचना से उपबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पंजाब राज्य के संगरूर जिले में विशेष रेलवे परियोजना **‘अलाल-हिमताना के बीच कॉर्ड लाइन’** निष्पादन के लिए अर्जित करने के अपने आशय की घोषणा की थी।

संक्षिप्त अनुसूची

क्रम सं.	गाँव के नाम	अर्जन हेतु भूमि का क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	अलाल	0.1560
2	मुँल्लोवल	2.0232
3	बादशाहपुर	2.5714
4	जहांगीर	0.3372
5	रजो माजरा	5.4673
6	कहेरू	5.7034
	कुल	16.2585

और उक्त अधिनियम की धारा २० (क) उप धारा (४) के अधीन व उक्त अधिसूचना का सार समाचार पत्र दिनांक २४ अक्टूबर २०२५ को “दैनिक भास्कर” (हिंदी) और द ट्रिब्यून (अंग्रेजी) में प्रकाशित किया गया था

और सक्षम प्राधिकारी द्वारा उक्त अधिनियम की धारा २० (घ) के अधीन आक्षेपों पर विचार किया गया और निपटान कर दिया है:

और उक्त अधिनियम की धारा २० (इ) की उपधारा (१) के अनुसरण में, सक्षम अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत कर दी है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और रेल अधिनियम,१९८९ की धारा २० (इ) की उपधारा (१) के द्वारा प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वीक परियोजना के लिए अर्जित की जाएगी।

और यह कि केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा २० (इ) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लगो से मुक्त हो कर आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जायेगी।

भूमि अनुसूची
पंजाब राज्य में विशेष रेल परियोजना अर्थात ‘अलाल-हिमताना के बीच कॉर्ड लाइन’ के लिए संगरूर जिला के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि का संरचना रहित अथवा संरचना सहित भूमि का संक्षिप्त विवरण।

जिले का नाम: संगरूर तहसील/तालुका का नाम: शेरपुर गांव का नाम: अलाल				
क्र. सं.	क्षेत्र सं.	भूमि की प्रकृति	अर्जन हेतु भूमि का क्षेत्रफल हेक्टेयर में	भूमि मालिक/ इच्छुक व्यक्ति का नाम
१	४५४	नेहरी गै मु	०.००८४	बूटा सिंह पुत्र चंद सिंह पुत्र कौर सिंह १/४ भूपिंदर सिंह पुत्र चंद सिंह पुत्र कौर सिंह १/४ महिंदर कौर विधवा नंद सिंह पुत्र कौर सिंह १/६ गुरप्रीत सिंह पुत्र नंद सिंह पुत्र कौर सिंह १/६ मनजीत कौर पुत्री कुलविंदर सिंह पुत्र नंद सिंह १/२४ जशनदीप कौर पुत्री कुलविंदर सिंह पुत्र नंद सिंह १/२४ तरनवीर सिंह पुत्र कुलविंदर सिंह पुत्र नंद सिंह १/१२
३	४६३	गै मु खाला	०.००४२	नगर पंचायत
४	४७२	चाही, गै मु	०.०१६९	
५	४६५	गै मु कस्बी	०.००४२	अस्थायी सरकार
६	१३४१/४७१	चाही	०.०१२६	सुखविंदर सिंह पुत्र भूपिंदर सिंह पुत्र कौर सिंह ३४७/१६०२ सतनाम सिंह पुत्र भूपिंदर सिंह पुत्र कौर सिंह ३४७/१६०२ गुरमेल कौर विधवा भूपिंदर सिंह पुत्र कौर सिंह १०७/१६०२ हरजिंदर कौर विधवा हरबंस सिंह पुत्र कौर सिंह १/८ सरबजीत कौर पुत्री हरबंस सिंह पुत्र कौर सिंह १/८ गुरप्रीत सिंह पुत्र हरबंस सिंह पुत्र कौर सिंह १/८ हरप्रीत सिंह पुत्र हरबंस सिंह पुत्र कौर सिंह १/८
८	४७५	बंजर कदीम	०.०३७९	
	कुल		०.१५८०	

जिले का नाम: संगरूर तहसील/तालुका का नाम: शेरपुर गांव का नाम: मुल्तोवाल				
क्र. सं.	क्षेत्र सं.	भूमि की प्रकृति	अर्जन हेतु भूमि का क्षेत्रफल हेक्टेयर में	भूमि मालिक/ इच्छुक व्यक्ति का नाम
१	८	गै मु खल	०.००४२	नगर पंचायत
२	१५	गै मु रास्ता	०.०१६९	
३	५९	गै मु पाही	०.००४२	
४	१८५	गै मु रास्ता	०.००८४	
५	२६०	गै मु पाही	०.००४२	
६	२६३	गै मु रास्ता	०.९३५८	
७	९	चाही	०.०८४३	
८	९/१	चाही	०.००८४	नरिंदर सिंह पुत्र बाबू सिंह ३६७/८८६२ बलविंदर सिंह पुत्र बाबू सिंह ३६७/८८६२ हरविंदर सिंह पुत्र बाबू सिंह ३६७/८८६२ चरण सिंह चरक गुरचरण सिंह पुत्र प्रीतम दास पुत्र गंगा राम १४०७/५७०९ देविंदर सिंह पुत्र गुरचरण सिंह पुत्र प्रीतम सिंह ११०/१४२७ गुरचरण सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र गंगा राम ४९/१४२७ राम किशन पुत्र काका राम पुत्र गंगा राम ९८७/११४१६ नाथ सिंह पुत्र परचूर सिंह पुत्र इंदर सिंह ३/५७०८ साधु सिंह पुत्र परचूर सिंह पुत्र इंदर सिंह १/५७०८ अवतार सिंह पुत्र लखन सिंह उर्फ लखन दास पुत्र प्रीतम दास १२४७/११४१६ हरजिंदर सिंह पुत्र लखन सिंह उर्फ लखन दास पुत्र प्रीतम दास १२४७/११४१६ सिंदर कौर विधवा पधवान दास पुत्र काका राम ९०७०३९९/८००२६१८० कुलविंदर सिंह पुत्र पधवान दास पुत्र काका राम ८२८०४७/८००२६१६० हरजिंदर कौर पुत्री पधवान दास पुत्र काका राम ८२८०४७/८००२६१६० बबलजीत कौर पुत्री पधवान दास पुत्र काका राम ८२८०४७/८००२६१६० जसवीर कौर पत्नी नरिन्द्र सिंह पुत्र बाबू सिंह २०/७०१

९	११/१	नेहरी	०.०१६९	
१०	२७९६/११	नेउरी	०.००४२	
११	२७९७/११	नेहरी	०.०२९५	
१२	१२	नेहरी	०.०६७४	
१३	१३	नेहरी	०.०७१७	इंद्रजीत सिंह पुत्र हरदयाल सिंह पुत्र मित सिंह
१४	१६	नेहरी	०.०५४८	हरदयाल सिंह पुत्र तेजा सिंह पुत्र बंता सिंह २०७७१/६२६१० गुरजंत सिंह पुत्र तेजा सिंह पुत्र बंता सिंह १/३ रणजीत सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र तेजा सिंह १/६ हरजीत सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र तेजा सिंह २०५७/१२५२२ जगतार सिंह पुत्र तेजा सिंह पुत्र बंता सिंह ८३/२०८७०
१५	३९	नेहरी	०.०५९०	मलकीत सिंह पुत्र बचन सिंह पुत्र हजारा सिंह २०९/६४२ अमरजीत सिंह पुत्र बचन सिंह पुत्र हजारा सिंह २०९/६४२ गुरविंदर सिंह पुत्र रघवीर सिंह पुत्र हरि सिंह २२४/६४२
१६	२५१८/३८	नेहरी	०.०४६४	
१७	२५१७/३८	चाही	०.०१२६	मनजीत सिंह पुत्र गुरजंत सिंह पुत्र तेजा सिंह
१८	३६५५/१०३	नेहरी	०.०२५३	जगसीर सिंह पुत्र बलदेव सिंह पुत्र चन्नान सिंह
१९	३५५४/१०३	नेहरी	०.०१२६	लाल सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र वरयाम सिंह
२०	३६५३/१०२	नेहरी	०.०२९५	
२१	३५५२/१०२	नेहरी	०.०२९५	जगरूप सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र वरयाम सिंह
२२	१०४	नेहरी	०.०१६९	जगसीर सिंह पुत्र बलदेव सिंह पुत्र चन्नान सिंह
२३	१०५	नेहरी	०.०५४८	अमरजीत कौर पत्नी बलदेव सिंह पुत्र चन्नान सिंह
२४	१०६ गिन	चाही	०.०५४८	गुरमनदीप सिंह पुत्र हरपाल सिंह पुत्र बंत सिंह
२५	१०६	चाही	०.०५४८	निर्मल सिंह पुत्र सेवा सिंह पुत्र राम सिंह १/२ जसविंदर सिंह पुत्र गुरमेल सिंह पुत्र राम सिंह १/२
२६	२६६९/१०७	नेहरी	०.०१६९	
२७	२६७०/१०७	नेहरी	०.०३७९	गुरमनदीप सिंह पुत्र हरपाल सिंह पुत्र बंत सिंह
२८	१०८	चाही	०.०३३७	
२९	२१८	नेहरी	०.०५४८	
३०	२१९	नेहरी	०.०४२२	
३१	२२२	चाही	०.०३७९	
३२	२२३	चाही	०.०२९५	
३३	२२६	चाही, गै मु	०.०२५३	प्रीतम सिंह पुत्र हरि सिंह पुत्र हीरा सिंह १/४ दर्शन सिंह पुत्र बंत सिंह पुत्र हरि सिंह १/८ जसविंदर कौर पत्नी मिर्चु सिंह पुत्र बाघ सिंह ५९/११३४ जसप्रीत कौर पत्नी हरीप्रीत सिंह पुत्र बहादुर सिंह १/१२ दयिंदरजीत सिंह पुत्र मिर्चु सिंह पुत्र बाघ सिंह ६५/५६७ अमरजीत कौर पत्नी लाल सिंह पुत्र किरपाल सिंह १०१/९२८ बलविंदर कौर विधवा हरकीरत सिंह पुत्र जगत सिंह १३१/२७८४ रविंदरपाल सिंह पुत्र हरकीरत सिंह पुत्र जगत सिंह १३१/२७८४ महिंदरपाल सिंह पुत्र हरकीरत सिंह पुत्र जगत सिंह १३१/२७८४ जगजीत सिंह पुत्र बंत सिंह पुत्र हरि सिंह १/८
३४	२२८	चाही	०.०२५३	जसप्रीत कौर पत्नी हरीप्रीत सिंह पुत्र बहादुर सिंह १/१ २ दर्शन सिंह पुत्र बंत सिंह पुत्र हरि सिंह १/८ जगजीत सिंह पुत्र बंत सिंह पुत्र हरि सिंह १/८ दयिंदरजीत सिंह पुत्र मिर्चु सिंह पुत्र भाग सिंह १/६ अमरजीत कौर पत्नी लाल सिंह पुत्र किरपाल सिंह १०१/९२८ बलविंदर कौर विधवा हरकीरत सिंह पुत्र जगत सिंह १३१/२७८४ रविंदरपाल सिंह पुत्र हरकीरत सिंह पुत्र जगत सिंह १३१/२७८४ महिंदरपाल सिंह पुत्र हरकीरत सिंह पुत्र जगत सिंह १३१/२७८४ प्रीतम सिंह पुत्र हरि सिंह पुत्र हीरा सिंह १/४
३५	३४४२/२५१८/२५१९/मिन	चाही	०.०२५३	हरपाल सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह पुत्र बाघा सिंह १/२ मनजीत कौर विधवा दर्शन सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह १/६ सुखचैन सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह १/३
३६	३४५१/२६१	चाही, गै मु मोटर	०.०३३७	सुखचैन सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह १/३ मनजीत कौर विधवा दर्शन सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह १/६ हरपाल सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह पुत्र बारा सिंह १/२
३७	३४५४/२६२	चाही	०.००८४	
	कुल		२.०२३२	

जिले का नाम: संगरूर तहसील/तालुका का नाम: शेरपुर गांव का नाम: बादशाहपुर				
क्र. सं.	क्षेत्र सं.	भूमि की प्रकृति	अर्जन हेतु भूमि का क्षेत्रफल हेक्टेयर में	भूमि मालिक/ इच्छुक व्यक्ति का नाम
१	३७९	गै मु पाही	०.४०४७	नगर पंचायत देह
२	३८५	गै मु रास्ता	०.००४२	
३	२३१	चाही	०.१४३३	समाध बाबा पंम् दास भाईतमा सेवादाम चोएला डायल दास चेला इंदरदास
४	२३२	चाही, गै मु पाही	०.१२२२	
५	२३६	चाही	०.०५९०	
६	२३७	चाही	०.०४६४	बहादुर सिंह पुत्र मेजर सिंह पुत्र चानन सिंह ९१९/२४२० जगतार सिंह पुत्र मलकीत सिंह पुत्र मेजर सिंह १७/३१२० अमरजीत कौर पत्नी बहादुर सिंह पुत्र मेजर सिंह ४९/२४२० बलजिंदर सिंह पुत्र जीत सिंह पुत्र मेजर सिंह १९२१/३७७२५० गुरिंदर सिंह पुत्र मुकंद सिंह पुत्र काका सिंह १७७/९६८ उपकार सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र मेजर सिंह १/५ जग्गा सिंह पुत्र चांद सिंह पुत्र दलीप सिंह २५/१२१
७	२३८ गिन	चाही गै मु पाही		सुखदेव सिंह पुत्र पान सिंह पुत्र नारायण सिंह ५३१/४१६६ हरबंस सिंह पुत्र पान सिंह पुत्र नारायण सिंह ३२७/२०८३० गुरजंत सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र गुरनाम सिंह ५/८३३२ जसवंत कौर पत्नी कर्नैल सिंह पुत्र कौर सिंह ४५७/८३३२ गुरविंदर सिंह पुत्र कर्नैल सिंह पुत्र कौर सिंह ६२/२०८३ चरण कौर पत्नी हरबंस सिंह पुत्र पान सिंह ९६९/४१६६० करमजीत सिंह पुत्र हरबंस सिंह पुत्र पान सिंह १९६/२०८३ हरीप्रीत सिंह पुत्र हरबंस सिंह पुत्र पान सिंह ९७६१/८३३२० बूटा सिंह पुत्र हरबंस सिंह पुत्र पान सिंह ६७७/४१६६ अमरजीत कौर विधवा सरदारा सिंह पुत्र गुरनाम सिंह २३५/२४९९६ करमजीत कौर पुत्री सरदारा सिंह पुत्र गुरनाम सिंह २३५/२४९९६ रणजीत सिंह पुत्र सरदारा सिंह पुत्र गुरनाम सिंह ३४/२३०९६ गुरप्रीत सिंह पुत्र केसर सिंह पुत्र साधु सिंह ३४/२०८३ अमनदीप सिंह पुत्र केसर सिंह पुत्र साधु सिंह ३४/२०८३ वीजीत सिंह पुत्र हरनैक सिंह पुत्र करतार सिंह १३१/२०८३ रूफिंदर कौर पत्नी बूटा सिंह पुत्र हरनैक सिंह ४७९३/४१६६० हरीप्रीत कौर पत्नी जगदेव सिंह पुत्र गुरबचन सिंह ११९३/८३३२० जसपाल कौर पत्नी करमजीत सिंह पुत्र गुरबचन सिंह ११९३/८३३२० हरपाल सिंह पुत्र सुखदेव सिंह पुत्र पान सिंह ५०/२०८३ गुरदीप सिंह पुत्र जगरूप सिंह पुत्र सुखदेव सिंह ५०/२०८३ हरीप्रीत सिंह पुत्र हरबंस सिंह पुत्र नारायण सिंह ३०/२०८३ करमजीत सिंह पुत्र हरबंस सिंह पुत्र नारायण सिंह ३०/२०८३ सुखपाल सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र बंत सिंह ११/२०८३ करमजीत सिंह कंभू पुत्र हरबंस सिंह पुत्र पान सिंह १९२१/८३३२० राजविंदर कौर पत्नी अमरीक सिंह पुत्र संतोख सिंह ६/२०८३
८	२३८ गिन	चाही गै मु पाही	०.०८८५	जीत सिंह पुत्र साधु सिंह पुत्र रतन सिंह २३३/१६१२ काला सिंह उर्फ बख्शीरा सिंह पुत्र साधु सिंह पुत्र रतन सिंह १५३/१६१२ परचूर सिंह पुत्र अमर सिंह पुत्र जीवा सिंह २०/४०३ जुमाराज सिंह पुत्र मुखियार सिंह पुत्र जगर सिंह १/१६ अमरजीत कौर विधवा सरदारा सिंह पुत्र गुरनाम सिंह ८५/१२०९ करमजीत कौर पुत्री सरदारा सिंह पुत्र गुरनाम सिंह ८५/१२०९ रणजीत सिंह पुत्र सरदारा सिंह पुत्र गुरनाम सिंह ८५/१२०९ दिल्गीत सिंह पुत्र जगराज सिंह पुत्र मुखियार सिंह ३/१६ जगदेव सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र जगर सिंह ५/९९२ हरिंदर सिंह पुत्र हरि सिंह पुत्र गुरदेव सिंह २४३/१९८४ राजिंदर सिंह पुत्र हरि सिंह पुत्र गुरदेव सिंह २४३/१९८४
९	२३९	चाही, गै मु बोर पाही	०.०२९५	

10	251 मिन	चाही		सुखपाल सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र सारवन सिंह 1/2 कुलविंदर सिंह पुत्र जसविंदर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 1/2
11	251 मिन	चाही, गै मु मोटर	0.2698	चांद सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र हरनाम सिंह 1/2 मुकंद सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र हरनाम सिंह 27/1744 मेहर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र हरनाम सिंह 669/3488 जगदीप सिंह पुत्र अजमेर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 1/8 मनजिंदर सिंह पुत्र मेहर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 573/3488 सुखदेव सिंह पुत्र फान सिंह पुत्र नारायण सिंह 77/1744 धर्मपाल सिंह पुत्र मुकंद सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 365/1744
12	1721/1501/253	चाही	00042	धर्मपाल सिंह पुत्र मुकंद सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 1/2 मुकंद सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र हरनाम सिंह 1/4 चांद सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र हरनाम सिंह 1/4
13	1721/1501/253	चाही	0.1096	
14	1951/386	चाही	0.1349	धर्मपाल सिंह पुत्र मुकंद सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 27/134 गुरतेज सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र गुरनाम सिंह 95/134 मुकंद सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र हरनाम सिंह 6/67
15	1777/384 मिन	चाही	0.0674	गुरतेज सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र गुरनाम सिंह
16	1775/1338/383 मिन	चाही		गुरतेज सिंह पुत्र गुरनाम सिंह पुत्र वजीर सिंह
17	1775/1338/383	चाही	0.0885	करमजीत सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र उजागर सिंह 66/631 जगदेव सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र उजागर सिंह 274/631 गुरविंदर सिंह पुत्र करमजीत सिंह 291/631
18	1775/1338/383मिन	चाही		करमजीत सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र उजागर सिंह 1/2 जगदेव सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र उजागर सिंह 1/2
19	1770/382	चाही	0.0632	करमजीत सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र उजागर सिंह 1/2 जगदेव सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र उजागर सिंह 1/2
20	378	बंजर कदीम	0.0169	गुरदेव सिंह पुत्र श्याम सिंह 1/8 कतार सिंह पुत्र श्याम सिंह 1/8 अवतार सिंह पुत्र श्याम सिंह 1/8 मेजर सिंह पुत्र श्याम सिंह 1/8 गुरदेव कौर पुत्री श्याम सिंह 1/8 बीबी पुत्री श्याम सिंह 1/8 करमजीत सिंह पुत्र दरबारा सिंह पुत्र श्याम सिंह 1/8 जसवंत कौर पत्नी मुखियार सिंह पुत्र श्याम सिंह 1/40 चरणजीत सिंह पुत्र मुखियार सिंह पुत्र श्याम सिंह 1/10
21	1768/378	नेहरी	0.0169	सुखदेव सिंह पुत्र जगरूप सिंह 1/2 बलदेव सिंह पुत्र जगरूप सिंह 1/2
22	377मिन	चाही		रितु गुप्ता पत्नी अजीत कुमार पुत्र लखपत राय
23	377मिन	चाही		अजीत कुमार पुत्र लखपत राय पुत्र कलाधारी मल्ल
24	377	चाही		गुरतेज सिंह पुत्र चरण सिंह पुत्र उजागर सिंह 1/2 रितु गुप्ता पत्नी अजीत कुमार पुत्र लखपत राय 1/2
25	377	चाही	0.0590	मनजिंदर सिंह पुत्र गुरमीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह 1571/14109 गुरसेवक सिंह पुत्र गुरमीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह 701/14109 शिंदर कौर पत्नी राम सिंह पुत्र जीत सिंह 172/4703 गुरमीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह पुत्र जंगीर सिंह 80/4703 कुलविंदर कौर विधवा गुरमीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह 737/14109 रितु गुप्ता पत्नी अजीत कुमार पुत्र लखपत राय 1840/4703 सोनी पाठक पुत्र साधु राम पुत्र राम सरूप 1600/4703 सतनाम सिंह पुत्र मेजर सिंह पुत्र मधर सिंह 8/4703
26	1764-66/376	नेहरी	0.0590	तरनमनिंदर कौर पत्नी जगतप्रीत सिंह मुतबन्ना पुत्र केसर सिंह 181/271 जगतप्रीत सिंह मुतबन्ना पुत्र केसर सिंह पुत्र करताार सिंह 90/271
27	1767/376	नेहरी		तरनमनिंदर कौर पत्नी जगतप्रीत सिंह मुतबन्ना पुत्र केसर सिंह 181/271 जगतप्रीत सिंह मुतबन्ना पुत्र केसर सिंह पुत्र करताार सिंह 90/271
28	1767/376	चाही	0.2023	तरनमनिंदर कौर पत्नी जगतप्रीत सिंह मुतबन्ना पुत्र केसर सिंह
29	1767/376	नेहरी		गुरसेवक सिंह पुत्र गुरमीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह 5/48 गुरतेज सिंह पुत्र चरण सिंह पुत्र उजागर सिंह 1/8 अजीत कुमार पुत्र लखपत राय पुत्र कलाधारी मल्ल 1/2 रितु गुप्ता पत्नी अजीत कुमार पुत्र लखपत राय 1/8 रितु गुप्ता पत्नी अजीत कुमार पुत्र लखपत राय 7/48
30	1763/376	नेहरी	0.0674	सुखदेव सिंह पुत्र महिंदर सिंह पुत्र अर्जन सिंह 41/294 मेजर सिंह पुत्र महिंदर सिंह पुत्र अर्जन सिंह 1/3 गुरपंठ सिंह पुत्र महिंदर सिंह पुत्र अर्जन सिंह 1/3 तरनमनिंदर कौर पत्नी जगतप्रीत सिंह मुतबन्ना पुत्र केसर सिंह 19/98
31	323	चाही	0.1560	परविंदर सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 2/5 जसविंदर कौर पत्नी दर्शन सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 1/10 जसदेव सिंह पुत्र अमरीक सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 1/6 हरीप्रीत कौर पुत्री अमरीक सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 1/6 जसपाल कौर पुत्री अमरीक सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 1/6
32	325	नेहरी		परमिंदर सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 4/33 तरनमनिंदर कौर पत्नी जगतप्रीत सिंह मुतबन्ना पुत्र केसर सिंह 25/66 चमकौर सिंह पुत्र मेजर सिंह पुत्र ईशर सिंह 1/2
33	325 मिन	नेहरी		
34	325/1	चाही	0.2192	चमकौर सिंह पुत्र मेजर सिंह पुत्र ईशर सिंह 1/2 जसविंदर सिंह पुत्र मेजर सिंह पुत्र ईशर सिंह 1/2
35	325/1	चाही		चमकौर सिंह पुत्र मेजर सिंह पुत्र ईशर सिंह 1/2
36	325/1	चाही		मेजर सिंह पुत्र ईशर सिंह पुत्र हरदित सिंह
37	324 मिन	चाही		जोरा सिंह पुत्र वृहद सिंह पुत्र लोकल सिंह 107/1900 महिंदर कौर विधवा सुरता सिंह पुत्र बख्तर सिंह 3/380 अशरा सिंह पुत्र सुरता सिंह पुत्र बख्तर सिंह 9/380 राम सिंह पुत्र बख्तर सिंह पुत्र जवाहर सिंह 103/1140 बाबू सिंह पुत्र बख्तर सिंह पुत्र जवाहर सिंह 1/10 रघवीर सिंह पुत्र बलवंत सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र बलवंत सिंह पुत्र गुरबचन सिंह 3/76 रणधीर सिंह पुत्र बलवंत सिंह पुत्र गुरबचन सिंह 3/76 परविंदर सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 9/38 हाकम सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 37/570 सरबजीत कौर पत्नी जग्गा सिंह पुत्र जोरा सिंह 10/57 जग्गा सिंह पुत्र जोरा सिंह पुत्र वृहद सिंह 46/1425 गुरदेव कौर विधवा हरनेक सिंह पुत्र बख्तर सिंह 1/30 कुलवीर सिंह पुत्र हरनेक सिंह पुत्र बख्तर सिंह 1/30 अरविंदर कौर पुत्री हरनेक सिंह पुत्र बख्तर सिंह 1/30 गुरतरन सिंह पुत्र हरनेक सिंह पुत्र बख्तर सिंह 1/30
39	292	गै मु कस्ती	0.0042	पंजाब सरकार
		कुल	2.5714	

नूंह के एसएचकेएम मेडिकल कॉलेज में माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी

नूंह (हरिभूमि न्यूज़)। शहीद हसन खान मेवाती (एसएचकेएम) राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, नूंह के दंत चिकित्सा विभाग ने जटिल जबड़े के कैंसर से जूझ रहे 46 वर्षीय मरीज की 12 घंटे की माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी कर चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 15 सितंबर को की गई इस सर्जरी में मरीज के पैर की फिबुला हड्डी और उससे जुड़ी रक्त वाहिकाओं को

निकालकर कैंसर के कारण हटाए गए जबड़े के हिस्से का पुनर्निर्माण किया गया। संस्थान के अनुसार, हरियाणा के किसी सरकारी संस्थान में केवल ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जनों की टीम द्वारा इस तरह की सर्जरी किए जाने का यह पहला मामला है। सर्जरी का नेतृत्व दंत चिकित्सा विभाग के डॉ. सुनील कुमार और डॉ. नितेश छिकारा ने किया। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. अमित चौधरी ने किया।



एक सप्ताह में मरीज पूरी तरह से चलने और खाना खाने लगा जबड़े के कैंसर का ट्यूमर निकालने के बाद पैर की फिबुला हड्डी से किया पुनर्निर्माण हरियाणा के सरकारी संस्थान में पहली बार सिर्फ ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जनों की टीम ने किया ऑपरेशन

जबड़े की संरचना को दोबारा तैयार की मरीज को जबड़े के कैंसर के कारण ट्यूमर निकालने के साथ रेडिकल नेक डिसेक्शन से जुजरना पड़ा। इसके बाद जबड़े की संरचना दोबारा तैयार करने के लिए फ्री फिबुला माइक्रोवैस्कुलर ग्राफ्ट तकनीक का इस्तेमाल किया। इसमें पैर के निचले हिस्से की फिबुला हड्डी का हिस्सा रक्त वाहिकाओं सहित निकाला। माइक्रोस्कोप से इन रक्त वाहिकाओं को गर्दन की रक्त वाहिकाओं से जोड़ा गया, ताकि नई हड्डी को लगातार रक्त की आपूर्ति मिलती रहे और वह शरीर में अच्छी तरह जुड़ सके।

एक सप्ताह में मरीज चलने लगा करीब 12 घंटे चली इस जटिल सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी भी संतोषजनक रही। ऑपरेशन के लगभग एक सप्ताह के भीतर मरीज ने खाना शुरू कर दिया

और चलने लगा। सर्जरी पूरी तरह निशुल्क रही। उनके साथ डॉ. विजयलक्ष्मी और डॉ. दिव्यांक ने अहम भूमिका निभाई। चिकित्सा सहयोग में डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. हिमांशु शेखावत, डॉ. दीपिका और डॉ. कोमल शामिल रहे। एनेस्थीसिया टीम से डॉ. किरण सहित डॉ. पूजा, डॉ. आसिफ, डॉ. रोहित, डॉ. अनिश, डॉ. अमित, डॉ. प्रमोद, डॉ. गौरव, डॉ. शानुन और डॉ. सुमन शामिल रहे।

निदेशक ने दी टीम को बधाई मेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार ने पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की उच्चत माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी से मेवात में गंभीर कैंसर मरीजों को जटिल उपचार के लिए बड़े केंद्रों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने दंत चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता शर्मा और एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. अमित चौधरी समेत पूरी टीम का सराहना की।

क्र.सं.	क्षेत्र सं.	भूमि की प्रकृति	अर्जन हेतु भूमि का क्षेत्रफल हेक्टेयर में	भूमि मालिक/ इच्छुक व्यक्ति का नाम
48	785	नेहरी	0.0674	जसविंदर सिंह पुत्र अनूप सिंह पुत्र जियोन सिंह 161/2018, हरप्रती सिंह पुत्र जतिंदर सिंह पुत्र अनूप सिंह 1/2, गुरप्रीत सिंह पुत्र जसविंदर सिंह पुत्र अनूप सिंह 424/1009
49	786	नेहरी, गै मु पाही	0.0801	
50	788	नेहरी	0.0717	
51	789	नेहरी, गै मु मकान/मोटर	0.1180	
52	790	नेहरी	0.1222	
53	798	चाही	0.0970	हरदेव सिंह पुत्र श्याम सिंह पुत्र बख्तर सिंह 382/2167, बलजीत सिंह पुत्र बीबी पुत्री श्याम सिंह 1313/43340, गुरबचन सिंह पुत्र हरदेव सिंह पुत्र श्याम सिंह 76/6501, गुरदीश सिंह पुत्र हरदेव सिंह पुत्र श्याम सिंह 66/2167, राज कुमार पुत्र रूकी चंद पुत्र रंग लाल 5/19503, मनजिंदर सिंह पुत्र दविंदर सिंह पुत्र सुरता सिंह 5/19503, परमा बंसल पत्नी पवन बंसल पुत्र सरूप चंद 5/19503, मनजीत कौर विधवा इंंदरजीत सिंह पुत्र हरपाल सिंह 49901/2340360, गुरजंट सिंह पुत्र हरपाल सिंह पुत्र श्याम सिंह 224803661/4681500120, करमजीत सिंह पुत्र शुभजीत सिंह पुत्र हरपाल सिंह 31893151/425590920, सतनाम सिंह पुत्र इंंदरजीत सिंह पुत्र हरपाल सिंह 15173539/739143170, हरपुनीत सिंह पुत्र कुलदीप सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह 175/6501, शिखर शर्मा पुत्र राजिन्द्र सिंह पुत्र सुखदेव सिंह 20/2167, जसवंत राय पुत्र देव राज पुत्र राम धन 39/12002, रविन्द्र कुमार पुत्र देव राज पुत्र राम धन 39/12002, भात राम पुत्र बंत राम पुत्र देव राज 39/24004, रमेश कुमार पुत्र बंत राम पुत्र देव राज 39/24004, ज्ञान चंद पुत्र देव राज पुत्र राम धन 39/12002, तरलोचना देवी पत्नी रमेश कुमार पुत्र बंत राम 6691118/39012501
55	806	नेहरी	0.0970	
56	807	नेहरी	0.0801	
57	808	नेहरी	0.0801	
58	826	नेहरी	0.1054	
59	827	नेहरी	0.1096	हरजीत कौर विधवा जसविंदर सिंह पुत्र दलबारा सिंह 4419152948178, आलमजीत सिंह पुत्र जसविंदर सिंह पुत्र दलबारा सिंह 1825/11528, बलजिंदर सिंह पुत्र अमरीक सिंह पुत्र तेजा सिंह 45/658, नरेंद्र सिंह पुत्र अमरीक सिंह पुत्र तेजा सिंह 60/2632, हरमनदेव सिंह पुत्र सुखवंत सिंह बाजवा 1825/11528, परमजीत कौर विधवा मेहर सिंह पुत्र हरदित सिंह 289/5764, अमरजीत सिंह पुत्र जगमोल सिंह पुत्र ईशर सिंह 25/658, गुरजंट सिंह पुत्र ईशर सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह 25/1974, कुलवीर कौर पुत्री गुरजंट सिंह पुत्र ईशर सिंह 25/1974, हरदीप सिंह पुत्र गुरजंट सिंह पुत्र ईशर सिंह 25/1974
61	830	नेहरी	0.0970	
62	961	चाही	0.1222	
63	962	चाही	0.1433	
64	963 मिन	चाही	0.1391	
65	963 मिन	चाही		
66	963/2 मिन	चाही	इंदरजीत सिंह पुत्र राजिंदर सिंह पुत्र जुआला सिंह 1/2, तरनजीत सिंह पुत्र राजिंदर सिंह पुत्र जुआला सिंह 1/2	
67	964	चाही		0.1770
68	976/2	चाही		0.1770
69	977/2	चाही		0.0759
70	978	चाही		0.1138
71	1605	चाही	0.0632	गुरतेज सिंह पुत्र निष्का सिंह 1067/2045, रानी पुत्री गुरबख्ता सिंह पुत्र मान सिंह 1/100, रोही राम पुत्र चानान राम 37/2045, कुलदीप सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र पाखर सिंह 26/409, लाभ सिंह पुत्र भगत सिंह पुत्र जीवन सिंह 8/409, गुरदीप सिंह पुत्र बलवीर सिंह पुत्र मुखियापार सिंह 117/8180, राजिन्द्र सिंह पुत्र बलवीर सिंह पुत्र मुखियापार सिंह 117/8180, करमजीत कौर पत्नी रणजीत सिंह पुत्र दलबान सिंह 722409, कुलविंदर सिंह पुत्र जसविंदर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 88/2045, सुखपाल सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र सबन सिंह 88/2045, हरप्रती सिंह पुत्र भरपूर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह 1622045, सरबजीत कौर पुत्री भरपूर सिंह 16/2045, भरपूर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र पाखर सिंह 43/2045, निर्मल कांता पत्नी राजिन्द्र सिंह पुत्र सुखवंत सिंह 5122045, राजिन्द्र सिंह पुत्र सुखदेव सिंह पुत्र जोग राम 8/409, इंंदरजीत सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह पुत्र रूख सिंह 351/4090, बलविंदर सिंह पुत्र करनैल सिंह पुत्र गुरदेव सिंह 26/1227, सुखविंदर सिंह पुत्र करनैल सिंह पुत्र गुरदेव सिंह 26/1227
74	1610	चाही	0.0970	
75	2728/1604	चाही	0.0632	
76	2909/1576	चाही, गै मु मोटर	0.0674	
77	2907/1576	चाही	0.0084	
78	2911/1577	चाही	0.0422	यमकौर सिंह पुत्र बलविंदर सिंह पुत्र सुखदेव सिंह 2343/10300, सुरिंदरपाल सिंह पुत्र सुखदेव सिंह पुत्र जगदीप सिंह 40388210300, मनजिंदर कौर पत्नी महिंदर सिंह पुत्र गुरवर्ण सिंह 300/10300, शिंदर कौर पत्नी सतपाल सिंह पुत्र गुरवर्ण सिंह 300/10300, अमरजीत कौर पत्नी सतपाल सिंह पुत्र गुरवर्ण सिंह 300/10300, मधर सिंह पुत्र सुखदेव सिंह पुत्र जगदीप सिंह 2226/10300, हरप्रती सिंह पुत्र सुरजित सिंह पुत्र जोग सिंह 120/10300, परमजीत सिंह पुत्र अमरजीत सिंह पुत्र जसवंत सिंह 20/10300, सुरिंदरपाल सिंह पुत्र जसवीर सिंह पुत्र भरपूर सिंह 328210300, कुशलजीत सिंह पुत्र जसवीर सिंह पुत्र भरपूर सिंह 327/10300
79	2913/1578	चाही, गै मु मोटर	0.0337	
80	1593	चाही	0.0632	
81	668/2	गै मु	0.1285	
82	668/1	चाही	0.0126	
		कुल	5.4673	गुलजार सिंह पुत्र चांद सिंह पुत्र इंंदर सिंह 5/36948, परमजीत सिंह पुत्र अमरजीत सिंह पुत्र जसवंत सिंह 36941/36946
				परमजीत सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 161/1296, बलवंत सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र प्रीतम सिंह 161/1296, लाभ सिंह पुत्र पटत सिंह पुत्र जीवा सिंह 161/648, सुरिंदर सिंह पुत्र कम्भीरा सिंह पुत्र तेजा सिंह 55/1296, हरवंस कौर विधवा सोहन सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह 65/3888, मनप्रती कौर पुत्री सोहन सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह 65/3888, जसपाल कौर पुत्री सोहन सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह 65/3888, गुरजीत कौर पुत्री सोहन सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह 65/3888, इरमजीत सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह 65/3888, सतबीर सिंह पुत्र सोहन सिंह पुत्र जोगिन्द सिंह 65/3888, गुरवर्ण सिंह पुत्र लाल सिंह पुत्र जोगिन्द सिंह 1/648, परमजीत सिंह पुत्र लाल सिंह पुत्र जोगिन्द सिंह 1/648, सतनाम कौर पत्नी सुरिन्द्र सिंह पुत्र तेजा सिंह 23/432, गुरदीप सिंह निरमे सिंह पुत्र चांद सिंह 5/648, तरबिन्द्र सिंह पुत्र सुरिन्द्र सिंह पुत्र काशीरा सिंह 5/108, गुरमेल कौर विधवा मोहन सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह 1/8, बलजिन्द्र सिंह पुत्र मोहन सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह 1/16
81	668/2	गै मु	0.1285	नगर पंचायत देह हिजा
82	668/1	चाही	0.0126	अशप्रीत सिंह पुत्र गुरजंट सिंह पुत्र गमदूर सिंह

भिले का नाम: संगरूर
तहसील/तालुका का नाम: धुरी
गांव का नाम: कैहरू

क्र. सं.	क्षेत्र सं.	भूमि की प्रकृति	अर्जन हेतु भूमि का क्षेत्रफल हेक्टेयर में	भूमि मालिक / इच्छुक व्यक्ति का नाम
1	2859 /756	चाही	0.0548	लखवीर सिंह पुत्र गुरनाम सिंह पुत्र करतार सिंह 1251 /4255, कश्मीर कौर पुत्री गुरनाम सिंह पुत्र करतार सिंह 751 /4255, मंदीप कौर पत्नी सरबजीत सिंह पुत्र रूफिंदर सिंह 2253 /8510, मंदीप कौर पुत्री दर्शन सिंह पुत्र जंगीर सिंह 751 /8510, सरबजीत सिंह पुत्र रूफिंदर सिंह पुत्र भाग सिंह सिंह 751 /4255 और अन्य
2	755	गै मु पाही	0.0084	
3	1107 /1	गै मु रास्ता	0.2740	
4	8061 / 2858 /756	चाही	0.0084	नगर पंचायत देह
5	8063 / 2361 /757	चाही	0.0295	
6	8065 / 2861 / 2384 –85 / 758	चाही	0.0084	
7	2860 / 2384 – 85 /758 /1	चाही	0.0211	बलविंदर सिंह पुत्र भाग सिंह पुत्र प्रताप सिंह 1/3, अवतार सिंह पुत्र बलविंदर सिंह पुत्र भाग सिंह वासी कहेरू 1/3, परमजीत सिंह पुत्र बलविंदर सिंह पुत्र भाग सिंह 1/3
8	8067 / 2860 / 2384 –85 / 758 /2	चाही		
9	761	चाही		
10	762	चाही	0.0379	बलविंदर सिंह पुत्र भाग सिंह पुत्र प्रताप सिंह 1/3, अवतार सिंह पुत्र बलविंदर सिंह पुत्र भाग सिंह वासी कहेरू 1/3, परमजीत सिंह पुत्र बलविंदर सिंह पुत्र भाग सिंह 1/3
11	768 /1मिन	चाही	0.0422	
12	769 /1मिन	चाही	0.0422	
13	784	चाही	0.0506	जर्नैल सिंह पुत्र जंगीर सिंह पुत्र रूर सिंह 3820 /39420, मेवा सिंह पुत्र साहमशेर सिंह पुत्र रूर सिंह 45 /928, तेजा सिंह पुत्र शमशेर सिंह पुत्र रूर सिंह 1587 /78880, परगट सिंह पुत्र जर्नैल सिंह पुत्र जंगीर सिंह सिंह 7944 /39420, सुखविंदर सिंह पुत्र जर्नैल सिंह पुत्र जंगीर सिंह 7943 /39420, गुरबाज सिंह पुत्र मेवा सिंह पुत्र शमशेर सिंह 3972 /39420, इकबाल सिंह पुत्र मेवा सिंह पुत्र शमशेर सिंह 3972 /39420 व अन्य
14	3101 /785	चाही	0.0379	
15	868	चाही	0.0690	
16	2103 /873	चाही, गै मु	0.0843	सुरजीत सिंह पुत्र किशन सिंह पुत्र धरम सिंह 2935 /6828, बलजीत कौर विधवा मलकीत सिंह पुत्र किशन सिंह 863 /6828, कुलदीप सिंह पुत्र मलकीत सिंह पुत्र किशन सिंह 1218 /6828, महिंदर कौर विधवा बलवंत सिंह पुत्र किशन सिंह 155 /6828, जगतार सिंह पुत्र बलवंत सिंह पुत्र किशन सिंह 439 /6828 और अन्य
17	2100 /872	चाही	0.0253	
18	2102 /873	चाही	0.1138	
19	874	चाही	0.0126	गुरबचन सिंह पुत्र बरयाम सिंह पुत्र मुल्ला सिंह 1/5, हरजिंदर सिंह पुत्र बरयाम सिंह पुत्र मुल्ला सिंह 1/5, कुलविंदर सिंह पुत्र बरयाम सिंह पुत्र मुल्ला सिंह 1/5, बलविंदर कौर पुत्री बरयाम सिंह पुत्र मुल्ला सिंह 1/5, सुखा सिंह पुत्र शिंदर कौर पुत्री बरयाम सिंह 1/20, महिंदर सिंह पुत्र शिंदर कौर पुत्री बरयाम सिंह 1/20, चरणजीत कौर पुत्री शिंदर कौर पुत्री बरयाम सिंह 1/20, गुरविंदर कौर पुत्री शिंदर कौर पुत्री बरयाम सिंह 1/20
20	875	चाही, गै मु मोटर	0.1939	
21	1809 /876	चाही	0.2192	
22	873 /1		0.1981	देव राज पुत्र रामजी दास पुत्र बालक राम 1/5, रविन्द्र कुमार पुत्र रामजी दास पुत्र बालक राम 1/5 शुभाष चंद पुत्र रामजी दास पुत्र बालक राम 1/5 ललित राणी पत्नी जीवन लाल पुत्र रामजी दास 1/5, भारता भूषण पुत्र केवल कृष्ण पुत्र रामजी दास 1/20, शशि भूषण पुत्र केवल कृष्ण पुत्र रामजी दास 1/20 रावी भूषण पुत्र केवल कृष्ण पुत्र रामजी दास 1/20, विजय भूषण पुत्र केवल कृष्ण पुत्र रामजी दास 1/20,
23	873 /2	चाही		
24	931	चाही		
			0.0422	अब्दुल खान पुत्र खलील खान पुत्र मुंशी खान 787 /850 आशिया परवीन विधवा खलील खान पुत्र मुंशी खान 63 /850

25	1808 /876	चाही	0.0042	रामजीत सिंह पुत्र जगमेल सिंह पुत्र जगता सिंह 1/5, बलविंदर सिंह पुत्र जगता सिंह पुत्र जीवन सिंह 1/5, जपजीत सिंह पुत्र रघवीर सिंह पुत्र जगता सिंह 1/5 रणबीर सिंह पुत्र बलवंत सिंह पुत्र जगत सिंह 1/10 रविंदरजीत सिंह पुत्र महेंद्र सिंह पुत्र जगता सिंह 1/5
26	871	चाही	0.0042	
27	877	चाही	0.0422	
28	878	चाही	0.1939	
29	2119 /879	चाही	0.0042	
30	888	चाही	0.0126	लखविंदर सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह पुत्र दीवान सिंह 2472 /20480, दलजीत सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह पुत्र दीवान सिंह 652 /20480, गुरदीप कौर विधवा महिंदर सिंह पुत्र दीवान सिंह 1573 /20480, सुखजीत सिंह पुत्र महिंदर सिंह पुत्र दीवान सिंह 1643 /20480, गुरजीत सिंह पुत्र महिंदर सिंह पुत्र दीवान सिंह 1755 /20480, सरबजीत कौर पत्नी दलजीत सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह 1820 /20480, दिलबाग सिंह पुत्र बचन सिंह पुत्र जीवा सिंह 2617 /20480, अमृतपाल सिंह पुत्र मेहाबहा सिंह पुत्र बचन सिंह 2617 /20480 व अन्य
31	2750 /889	चाही, गै मु प्लाट	0.1518	
32	932	गै मु प्लाट	0.1054	
33	3042 /933	गै मु प्लाट	0.1939	
34	3040 /933	गै मु पाही	0.0042	
35	3041 /933	गै मु पाही	0.0084	नगिंदर सिंह पुत्र दलबारा सिंह पुत्र दलीप सिंह 1/720, जसवीर कौर पत्नी निरपाल सिंह पुत्र मेजर सिंह 13 /9360, सुखविंदर सिंह पुत्र मिल्खा सिंह पुत्र सरवत सिंह 13 /9360, निधि बंसल पत्नी रिशु बंसल पुत्र हुसम चंद 1/720, बलविंदर कौर पत्नी हरमेल सिंह पुत्र नछतर सिंह 1/720 और अन्य
36	2547 /934	चाही	0.0126	
37	2548 /934	चाही	0.1054	
38	935	चाही	0.0885	
39	941	चाही	0.1939	
40	943	चाही	0.1939	अवंतार सिंह पुत्र मेहेन्द्र सिंह 1/73, बृज लाल पुत्र बृध राम 1/73, कमला देवी पत्नी राजेन्द्रपाल पुत्र अमर नाथ 6 /365, महादेव पार्थव पुत्र मनोज कुमार 6 /365, मुहम्मद सबर पुत्र मुहम्मद इनीफ 1/73, बंत कौर पत्नी तेजा सिंह पुत्र नराता सिंह 4 /365, बलवीर सिंह पुत्र कालू सिंह 4 /365, सुनान राणी पत्नी करम चंद पुत्र जगन नाथ 1/73, निरमय सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र भगवान सिंह 15 /146, सरबजीत सिंह पुत्र नंद सिंह पुत्र बिहारा सिंह 21 /73 व अन्य
41	945	चाही	0.1728	
42	946 मिन	चाही	0.1138	
43	946 मिन	चाही	0.1138	
44	958 /1 मिन	चाही	0.0042	
45	1047	चाही	0.0759	अनूप सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह पुत्र भगवान सिंह 1/10, सरूप सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह पुत्र भगवान सिंह 11 /1110, निरमै सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र भगवान सिंह 514 /6105, नरपिन्द्र सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र भगवान सिंह 38 /2035, मोली राणी पत्नी जतिन्द्र पुत्र हरबंस राम 20 /407, इंंदरपाल सिंह पुत्र गुरवरण सिंह पुत्र भगवान सिंह 2 /15, नवकरण सिंह पुत्र इंंदरपाल सिंह पुत्र गुरवरण सिंह 2 /15 विक्रम सिंह पुत्र हरदेव सिंह पुत्र भगवान सिंह 1/10, बरिन्द्र सिंह पुत्र हरदेव सिंह पुत्र भगवान सिंह 1/15, बीरदविंदर सिंह पुत्र हरदेव सिंह पुत्र भगवान सिंह 1/10, सुनिरपाल पुत्र ओम प्रकाश पुत्र हाबाम राय 10 /111, परमजीत कौर पत्नी बलजीत सिंह पुत्र मिता सिंह 20 /407, हरबंस सिंह पुत्र आला सिंह पुत्र जुआला सिंह 80 /1221
46	1048	चाही	0.0590	
47	2122 / 1049	चाही	0.0084	
48	2123 / 1049	चाही	0.0590	
49	1050	चाही, गै मु बोर	0.0717	
50	1051	चाही	0.0674	जसपाल सिंह पुत्र महावीर प्रसाद 19 /850, महिंदर सिंह पुत्र चंद 2 /85, सुखदेव सिंह पुत्र छाजू सिंह 2 /255, प्रेम सागर पुत्र चरंजी लाल 1 /85, भीम सेन पुत्र गुरदेव सिंह 8 /255, सुखपाल सिंह पुत्र कुंज लाल 2 /255, कृष्ण सिंह पुत्र दलीप सिंह 2 /255, अवतार सिंह पुत्र सरपंथ सिंह 2 /85, मुंशी सिंह पुत्र सूरन सिंह 4 /255, शेख खलील पुत्र शेख काकमात 4 /255, गुरनाम सिंह पुत्र अनूप सिंह 4 /255, जसवंत कौर पत्नी मोहन सिंह 2 /255, मोहन सिंह पुत्र अर्जन सिंह 2 /255, अशोक कुमार पुत्र लखमी चंद 4 /255, मनजीत सिंह पुत्र सरूप सिंह 4 /255, बलजिंदर सिंह पुत्र साधु सिंह पुत्र रोड़ा सिंह 4 /85 व अन्य
51	1052	चाही	0.0464	
52	1053	चाही	0.0464	
53	1387	चाही	0.0169	
54	1386	चाही	0.0885	
55	1390	चाही	0.0169	हरदीप सिंह पुत्र ध्यान सिंह 1583 /63880, पिशोरा सिंह पुत्र दर्शन सिंह 1583 /63880, करनैल सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 66 /63880, दलवीर कौर पुत्री सुखविंदर सिंह पुत्र सरदूल सिंह 397 /63880, गुलशन सिंह पुत्र सुखविंदर सिंह 396 /63880, निहाल सिंह मितल पुत्र बेला सिंह 605 /63880, राजपाल सिंह मितल पुत्र बेला सिंह 530 /63880, बेला सिंह पुत्र गुरबख्सा सिंह 427 /63880 व अन्य
56	1391	चाही	0.0084	
57	1388	चाही	0.1012	
58	1389	चाही	0.1265	
59	1395	चाही, गै मु	0.0506	
60	1396	चाही	0.0042	सुरजीत कौर विधवा भान सिंह 860 /16220, करमजीत सिंह पुत्र भान सिंह 860 /16220, राजिन्द्र सिंह पुत्र भान सिंह 860 /16220, इंदरजीत सिंह पुत्र भान सिंह 860 /16220, मनजीत सिंह पुत्र भान सिंह 860 /16220, रणजीत सिंह पुत्र भान सिंह 860 /16220, गुरदीप सिंह पुत्र गुरबचन सिंह पुत्र दर्शन सिंह 4000 /16220 व अन्य
61	1404	चाही	0.2656	
62	1405	चाही	0.1391	
63	1407	चाही	0.0042	
64	1408	चाही	0.2108	
65	1419	चाही	0.0506	हरिपाल सिंह पुत्र दलीप सिंह पुत्र प्रताप सिंह 280 /1119, मनजीत कौर विधवा हरि सिंह पुत्र दलीप सिंह 280 /1119, लाल सिंह पुत्र दलीप सिंह पुत्र प्रताप सिंह 280 /1119, दर्शन सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र मेघ सिंह 31 /373, भरपूर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र मेघ सिंह 31 /373, कुलदीप सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र मेघ सिंह 31 /373
66	1420	चाही	0.1560	
67	1421	चाही	0.1222	
68	2809 / 1470 /1	चाही	0.0843	
69	1772 /558	गै मु सड़क	0.0548	
70	2067 / 1862 /1467	चाही	0.0169	गणनदी पत्नी मनिन्द्रजीत पाल शर्मा पुत्र भूरा राम 26 /11580, पवन कुमार पुत्र इंंदर सिंह पुत्र कलाधारी मल्ल 1 /579, नितीशा कोमल पुत्र शक्ति भूषण पुत्र कृष्ण 71 /48320, करमबीर सिंह पुत्र बूटा सिंह पुत्र अमरजीत सिंह 2 /1737, सुनील कुमार पुत्र राजिन्द्र पाल बंशाल पुत्र लक्ष्मी राम 2 /193, राजविन्द्र कौर पत्नी बलजीत सिंह पुत्र अर्जुन सिंह 329 /34740, राकेश कुमार पुत्र राज कुमार पुत्र बलराम 4 /579, जसप्रीत सिंह पुत्र महावीर सिंह पुत्र भाग मल्ल 4 /579, सुखवीर कौर पत्नी मुखरी सिंह पुत्र मुखियार सिंह 8 /579 व अन्य
71	2811 /2 / 2472 /1473	चाही	0.0422	
72	2810 / 2471 /1473	चाही	0.0084	
73	2811 / 2471 /1473	चाही	0.0042	
74	1472	चाही	0.0590	
75	2807 / 1470 /1	चाही	0.0126	परमजीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी धुरी 3/4 गीएस धालीवाल पोल्ट्री फार्म कहेरू साइदेवार परमजीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र भगवान सिंह और प्रीतम सिंह पुत्र भगवान सिंह बराबर हिस्सा 1/4
76	1476	चाही	0.0295	
77	2808 / 1470 /1	गै मु पाही	0.0042	
78	2290 /944	चाही	0.1349	
79	2291 /944	चाही	0.0506	
80	2288 /942	चाही	0.0211	जीवन सिंह पुत्र बंत सिंह पुत्र अमर सिंह 62 /873, प्रीतम सिंह पुत्र अमर सिंह पुत्र दयाल सिंह 2 /873, जग्गा सिंह पुत्र अमर सिंह पुत्र दयाल सिंह 83 /873, मनजीत कौर विधवा राबजीत सिंह पुत्र सुखदेव सिंह 67 /2619, परमजीत कौर पत्नी जसवंत सिंह पुत्र सुखदेव सिंह 37 /3492, हरमीन कौर पत्नी हरवंत सिंह पुत्र सुखदेव सिंह 37 /3492, महिंदर कौर विधवा बंत सिंह पुत्र अमर सिंह 145 /3492, जगजीवन सिंह पुत्र बंत सिंह पुत्र अमर सिंह 145 /1164, गुमेल कौर विधवा केवल सिंह पुत्र मुकंद सिंह 145 /3492, गुरजंट सिंह पुत्र केवल सिंह पुत्र मुकंद सिंह 145 /3492, बलवंत सिंह पुत्र केवल सिंह पुत्र मुकंद सिंह 145 /3492 व अन्य
81	2289 /942	चाही	0.1728	
		कुल	5.7034	

3337/2026



विशेष: गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

महात्मा गांधी ने सिखाई संतुलित जीवन की कला

भारत को स्वाधीनता दिलाने में तो गांधीजी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी ही, साथ ही उन्होंने ऐसी जीवनशैली को अपनाया, जो आज भी हम सभी के लिए आदर्श बनी हुई है। यही वजह है कि मले ही हम नए-नए नामों और परिभाषाओं का प्रयोग कर रहे हों, लेकिन आज भी महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई जीवनशैली और उनके संदेश हमें सुकूनदायक जीवन जीने की दिशा दिखाती है।

नहीं था। वह इसे आत्म-अनुशासन और आत्मनिरीक्षण से भी जोड़कर देखते थे।
आज हम 'इंटरमिटेंट फास्टिंग' या 'क्लीन ईटिंग' जैसे शब्दों के साथ अपने खान-पान की निगरानी करते हैं। गांधीजी के लिए उपवास का अर्थ इससे कहीं व्यापक था। वह इसे आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का माध्यम मानते थे। उनके लिए सवाल सिर्फ यह नहीं था कि शरीर को क्या और कितना चाहिए बल्कि यह भी था कि इच्छाओं पर कितना नियंत्रण रखा जा सकता है।

कम चीजों में ज्यादा सुख

मिनिमलिज्म की बात करें तो गांधीजी का जीवन उसका सबसे स्पष्ट उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत करता है। उनके पास जरूरत की कुछ ही चीजें थीं। चश्मा, घड़ी, कुछ बर्तन, चरखा और खादी के कपड़े। उनकी यह जीवनशैली किसी अभाव के कारण नहीं थी बल्कि यह उनका एक सचेत चुनाव था। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि जीवन को समृद्ध बनाने का एक रास्ता अपनी जरूरतों को बढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें सीमित करना भी है। आज 'कम चीजें, कम उलझन' या 'लेस इज मोर' जैसी अवधारणाएं आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। लोग अपनी अलमारियां छोटी कर रहे हैं, गैरजरूरी सामान हटा रहे हैं



धीमी जिंदगी का आनंद

'स्लो लिविंग' का एक दिलचस्प रूप गांधीजी के चरखे में भी दिखाई देता है। चरखा तेज गति और अधिक उत्पादन का प्रतीक नहीं था। उसमें धैर्य था, दोहराव था और एकाग्रता थी। गांधीजी नियमित रूप से चरखा चलाते थे। हाथ एक लय में चलते रहते और मन को ठहरने का अवसर मिलता। आज 'स्लो मॉर्निंग', 'माइंडफुलनेस' और 'माइंडफुल कुकिंग' जैसे शब्द प्रचलन में हैं। तेज रफ्तार जिंदगी से कुछ पल निकालकर धीरे चलने और किसी काम को पूरी एकाग्रता से करने की कोशिश हो रही है। चरखे की धर-धर में ऐसी ही एक लय भारतीय समाज में बहुत पहले से मौजूद थी।

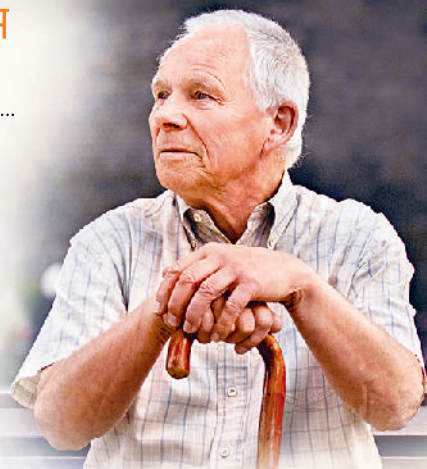
जीवन जीने का आदर्श तरीका

हालांकि गांधीजी की जीवनशैली को आज के वेल्नेस ट्रेंड्स के साथ पूरी तरह जोड़ देना सही नहीं होगा। उनके लिए यह सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति या व्यक्तिगत उत्पादकता का साधन नहीं थी। उनके लिए इसका रिश्ता अहिंसा, स्वदेशी, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी से भी था। उनका भोजन उनके नैतिक विचारों से जुड़ा था और उनकी मितव्ययता उनके सामाजिक-राजनीतिक विचारों से। यही वह फर्क है, जिसे समझना जरूरी है। आज मिनिमलिज्म कई बार व्यक्तिगत सुविधा और बेहतर जीवन के फॉर्मूले के रूप में सामने आता है। गांधीजी की सोच का दायरा उससे कहीं बड़ा था। वह व्यक्ति से शुरू होकर समाज और अंततः आत्मा तक जाती थी।

फिर भी आज के इन तमाम चलनों में गांधीजी के जीवन की एक पुरानी छाया जरूर दिखाई देती है। फर्क बस इतना है कि आज हम अपनी आदतों को एप में दर्ज करते हैं, स्क्रीन टाइम नापते हैं, डिटॉक्स चैलेंज लेते हैं और मिनिमलिज्म पर किताबें पढ़ते हैं। गांधीजी ने इनमें से किसी चीज को नाम नहीं दिया। उन्होंने बस उन्हें जिया। शायद यही इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू है। गांधीजी ने अपना उदाहरण प्रस्तुत कर ऐसी जीवनशैली अपनाई, जो आज भी हम सबके लिए आदर्श बनी हुई है। यही उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली की विरादत है, जो उन्हें महारूप बनाती है। *

विशेष: अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस 1 अक्टूबर

बुजुर्गवस्था में लोगों को अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके समाधान के लिए जीवंतता के साथ कुछ उपायों पर अमल करना कारगर हो सकता है।



ढलती उम्र की चुनौतियां जीवंतता से होगा समाधान

जीवनशैली / शिखर चंद जैन

पचपन-साठ वर्ष की आयु पार करना मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ाव होता है। वृद्धावस्था में कदम बढ़ाते इस चरण में शारीरिक क्षमता में कमी, मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव, आर्थिक अनिश्चितता तथा सामाजिक स्थितियों में बदलाव जैसी कई चुनौतियां एक साथ सामने आती हैं। इस दौरान शरीर और समाज दोनों के स्तर पर हमारी भूमिकाएं भी बदलती हैं। इस उम्र में शारीरिक सक्रियता भी पहले से कम होने लगती है। इन बदलावों के कारण व्यक्ति को एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक उपायों से संभव है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और समाजशास्त्र के अनुसार, इस आयु वर्ग को 'सक्रिय वृद्धावस्था' की तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

शारीरिक समस्याएं-समाधान: इस उम्र के पुरुषों में एंजोजन और महिलाओं में मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का स्तर तेजी से गिरता है। इससे मेटाबोलिज्म धीमा होता है और वजन बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटने और हड्डियों के कमजोर होने जैसी समस्याएं होती हैं। साथ ही क्रोनिक बीमारियां जैसे उच्च रक्तचाप,

'स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, इस उम्र में मस्तिष्क से टॉक्सिंस जैसे अमाइलॉइड बीटा प्रोटीन को साफ करने के लिए 7-8 घंटे की गहरी नींद आवश्यक है। इसके लिए सोने का समय निश्चित करें और स्क्रीन टाइम कम करें। माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास भी जरूरी है।
भावनात्मक समस्याएं-समाधान: इस उम्र में अधिकांश लोग एंटी नेस्ट सिंड्रोम से जूझते हैं। घर खाली-खाली लगता है, उदासी घेर लेती है। कभी उपेक्षा महसूस होती है, कभी बच्चों की याद सताती है। इस स्थिति में उम्र बढ़ने का डर, मृत्यु की चिंता या अतीत के पछतावे के कारण डिप्रेशन और स्ट्रेस बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी एक प्रमाणित मनोवैज्ञानिक पद्धति है, जो नकारात्मक विचार चक्रों को तोड़ने में मदद करती है। समस्या ज्यादा हो तो किसी योग्य थेरेपिस्ट की मदद लें। डायरी या जर्नल लिखने की आदत डालें। पॉजिटिव साइकोलॉजी के अनुसार, रोज रात को तीन अच्छी बातें लिखने से डोपामाइन और सेरोटोनिन नामक हैप्पी हार्मोंस का स्तर बढ़ता है। इसके अलावा जापानी अवधारणा 'इकिगाई' अपना सकते हैं।
वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों के पास सुहृद उम्र का एक स्पष्ट उद्देश्य जैसे कोई हॉबी, बागवानी या समाज सेवा होता है, उनका जीवनकाल लंबा होता है और मन शांत रहता है।



सामाजिक समस्याएं-समाधान: हार्वर्ड के 85 साल लंबे चले एक अध्ययन ने साबित किया कि स्वस्थ और खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा कारक अच्छे रिश्ते हैं, न कि पैसा या प्रसिद्धि। जबकि उम्र के इस दौर में व्यस्तता में कमी, अकसर शारीरिक कठों या अन्य कारणों से सहयोगियों, समकालीन मित्रों या प्रियजनों से न मिल पाने से सामाजिक दायरा सिकुड़ने लगता है। जेनरेशन गैप के कारण वे उपेक्षित महसूस करते हैं। बेहतर होगा कि आप स्थानीय क्लबों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ या धार्मिक समूहों से जुड़ें। स्वेच्छिक सेवा करने से शरीर और दोस्तों से लगातार जुड़े रह सकें।

अंत नहीं दूसरी पारी: आपको समझना होगा कि ओल्डएज जीवन का अंत नहीं, बल्कि 'सेकेंड ईनिंग' है। इस चरण में आने वाली समस्याओं से डरने के बजाय अनुशासित, जागरूक दृष्टिकोण अपनाएं। *
(जनरल फिजीशियन डॉ. एल. सी. राठी, मनोविज्ञानी डॉ. आंचल मुरारका, डाइरेक्शियन पंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

आजकल हर दूसरे, तीसरे इंस्टाग्राम रील में कोई न कोई 'डिजिटल डिटॉक्स चैलेंज' लेकर बैठा दिखाई देता है। कोई सात दिन फोन से दूर रहने का दावा करता है, तो कोई 'स्लो लिविंग' के नाम पर सुबह की चाय भी कैमरे के सामने धीरे-धीरे पीता नजर आता है। मिनिमलिज्म अब जीवनशैली का एक लोकप्रिय चलन है। इससे संबंधित किताबें मिल जाती हैं, यू-ट्यूब चैनल हैं और बाकायदा कोच भी हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जिस जीवन-पद्धति को आज अकसर पश्चिमी दुनिया से आए नए चलन की तरह देखा जाता है, उसकी जड़ें हमारे अपने यहां बहुत पहले से मौजूद थीं। दशकों पहले महात्मा गांधी ने अपने जीवन के द्वारा इसकी मिसाल कायम कर दी थी।

खान-पान में आत्मानुशासन

इतिहास महात्मा गांधी को मुख्यतः एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में याद करता है, लेकिन उनका जीवन अपने आप में लगातार चलने वाला एक प्रयोग भी था। यह प्रयोग उनके शरीर, भोजन, पहनावे, काम करने के तरीके और रोजमर्रा की जरूरतों तक फैला हुआ था। गांधीजी का मानना था कि जिसे हम जरूरत समझते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा दरअसल, हमारी आदत, इच्छा या सुविधा होती है। इसलिए उन्होंने अपने जीवन में बार-बार यह परखने की कोशिश की कि कम से कम में भी जीवन को संतुलित और सार्थक कैसे रखा जा सकता है? उनका खान-पान इसी सोच का हिस्सा था। बकरी का दूध, फल, उबली सब्जियां और सादा भोजन उनके प्रयोगों में शामिल रहे। उन्होंने अलग-अलग समय पर नमक, घी और कई दूसरी चीजों को छोड़कर भी देखा। भोजन उनके लिए सिर्फ स्वाद या शरीर की जरूरत भर



और सीमित चीजों में व्यवस्थित जीवन तलाश रहे हैं। गांधीजी ने इस विचार को किसी ट्रेंड या बाजार की भाषा के बिना अपने जीवन में उतारा था।

दुनियादारी से दूरी से मिले सुकून

डिजिटल डिटॉक्स की बात करें तो गांधीजी का मौन-व्रत भी याद आता है। वह सप्ताह में एक दिन मौन रखते थे। उस दिन बातचीत से दूरी बनाकर वह लिखकर या संकेतों के जरिए अपना काम चलाते थे। यह सिर्फ बोलना बंद कर देना नहीं था। मौन उनके लिए आत्मचिंतन का अवसर था। आज हम लगातार बजती सूचनाओं, संदेशों और स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाने के लिए डिजिटल डिटॉक्स करते हैं। कुछ घंटों के लिए फोन बंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दिमाग को थोड़ा सुकून मिलेगा। गांधीजी के समय में फोन या सोशल मीडिया नहीं हुआ करता था, लेकिन बाहरी शोर से दूरी और भीतर की आवाज सुनने की जरूरत तब भी उतनी ही थी।



कविता

हेमधर शर्मा

मृग-मरीचिका

क्यों अक्सर ऐसा होता है
जो पास हमारे होता है
वह उतना ख़ास नहीं लगता
जितना मरसूस चले
जाने पर होता है!
जब नहीं अधिक सुविधाएं थीं
तो कष्ट-असुविधा भरी
जिंदगी लगती थी
पर सुविधा बढ़ जाने पर भी
क्यों समय सुहाना
वही पुराना लगता है!
कट जाए उम्र सुख-सुविधा में
हम यही कामना करते हैं
संघर्षहीन जीवन का फिर क्यों
अंत निरर्थक लगता है!

सबसे आगे रहने का जुनून

एंगुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है।



मिलेंगे। मुफ्त में जहर बंट रहा हो तो भी चिंता जहर की नहीं होगी। डर यह रहेगा कि हमारे पहुंचने से पहले समाप्त न हो जाए।
अपने ओपीडी में भी मैं इस सामाजिक चरित्र का क्लिनिकल परीक्षण करता रहता हूं। दो महीने पुराना फ्रैक्चर, पहले दिखाने के चक्कर में, अभी-अभी टूटा बताया जाता है। कोई नेताजी का फोन लगवाता है, कोई डॉक्टर का भाई, भतीजा या रिश्तेदार बन जाता है। बीमारी प्रतीक्षा कर सकती है, नंबर नहीं।

एक दिन वेंटिंग रूम में एक मरीज बैठा था। रिसेप्शनिस्ट ने कहा, 'आप अकेले हैं, दिखा लीजिए।' वह बोला, 'थोड़ी देर और बैठता हूं। जब तक दूसरा मरीज आएगा नहीं, प्रमाणित कैसे होगा कि डॉक्टर को सबसे पहले मैंने दिखाया?' विजय के लिए प्रतिद्वंद्वी भी तो चाहिए।

रेलवे प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकने से पहले हमारा उतरना और चढ़ना शुरू हो जाता है।

भीतर वाला बाहर आने को बेचैन, बाहर वाला भीतर जाने को आतुर, दरवाजे पर दोनों पहले मैं-पहले मैं की 'तू-तू मैं-मैं' में भिड़ते हैं। कभी जेब कटती है, कभी कुर्ता फटता है, कभी सामान छूटता है और कभी बच्चा।

हवाई यात्रा में भी हम बोर्डिंग से घंटा भर पहले पंक्ति बना लेते हैं, मानो विमान हमारे बिना चोरी से उड़ जाएगा। उतरते समय सीट-बेल्ट का संकेत बंद होते ही पूरा केबिन खड़ा हो जाता है।

फिर गर्दन झुकाकर दस मिनट खड़े रहना मंजूर है, क्योंकि बैठे रह गए तो एयरहोस्टेस की 'बाय-बाय' किसी और को पहले मिल जाएगी। टिकट का पूरा मूल्य इसी विवाद में वसूलना है। बैंक, राशन, वांशरूम, आरक्षण-खिड़की और मंदिर, हर जगह हमारी आत्मा कतार से आगे विचरण करती है। मंदिर में भगवान सर्वव्यापी हो सकते हैं, लेकिन दर्शन तभी सफल है, जब बैरिकेड लांचकर दूसरों से पहले किए जाएं।

यहां तक कि शवयात्रा में भी कुछ लोग अर्थी से आगे निकलने को बेचैन दिखते हैं। मृतक बोल पाता तो शायद उठकर कहता, 'भाई, तुझे इतनी जल्दी है तो तू ही यहां लेंट जा, मैं अगली बारी देख लूंगा।' संभव है सज्जन अग्रिम बुकिंग, लकड़ियों पर छूट या मोक्ष में शुरुआती नंबर की संभावना तलाश रहे हों।

दरअसल, दूसरे नंबर पर आते ही हमें हारने का अहसास होने लगता है। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है ?

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं ?

सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लेडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे कॉम्प्लिकेशन इसमें नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है ?

डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फैसिट जाइंट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

स्टेनोसिस, स्पोन्डिलोलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?

15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है ?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है ?

90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है ?

इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है ?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया

स्पाइन सर्जन

ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक

सम्पर्क - 7354858466

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)

पूर्व सर्जन - सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेंटर, नई दिल्ली

नए दौर में बदलती जीवनशैली के साथ यात्राओं के मायने और उसके तरीके भी बदल रहे हैं। कोई डिजिटल लत से दूर, शांति खोज रहा है, तो कोई खेतों, पहाड़ों में प्रकृति का सांन्निध्य महसूस कर रहा है। पर्यटन के ये नए अंदाज रोमांचक ही नहीं सोच बदलने वाले भी हैं। आज विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) पर घुमक्कड़ी के नए तरीकों के बारे में बता रहे हैं।

ट्रैवेलिंग ट्रेंड

अंजू जैन

बीते कुछ वर्षों में दुनिया बहुत तेजी से बदली है और इसके साथ ही हमारे घूमने-फिरने का अंदाज भी बहुत हद तक बदल चुका है। अब लोगों के लिए पर्यटन का मतलब सिर्फ प्रसिद्ध

स्मारकों के सामने खड़े होकर तस्वीरें खिंचाने या पारंपरिक हॉलिडे पैकेजों तक सीमित नहीं है। आज का यात्री कुछ नया, कुछ गहरा और कुछ ऐसा अनुभव करना चाहता है, जो उसकी आत्मा को छू जाए। आज के पर्यटक भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर, प्रकृति, आत्मखोज और अनोखे अनुभवों की तलाश में निकल रहे हैं।

शांत-डिजिटल लाइफ से दूर तीर्थयात्रा: आधुनिक युग में हमेशा 'डिजिटली कनेक्टेड' रहना और सूचनाओं का अत्यधिक बोझ एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। इससे बचने के लिए साइलेंट एंड डिजिटल डिटॉक्स पिलग्रिमेज का चलन एक बड़े ट्रेंड के रूप में उभरा है। यह पारंपरिक धार्मिक तीर्थयात्राओं से अलग है।

यहां भगवान की खोज के बजाय स्वयं के भीतर की शांति की खोज की जाती है। इन यात्राओं की शुरुआत में ही यात्रियों के स्मार्टफोन, लैपटॉप और सभी गैजेट्स जमा करा लिए जाते हैं। इन रिट्रीट्स या यात्राओं के दौरान 'पूर्ण मौन' का पालन करना होता है। यात्री न तो आपस में बात कर सकते हैं और न ही किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम का उपयोग कर सकते हैं। दिनचर्या में ध्यान, योग, सचेत चलना और सात्विक भोजन शामिल होता है। ऋषिकेश (भारत), चियांग माई (थाईलैंड) या जापान के दूरदराज के बौद्ध मठों में ऐसे कार्यक्रम बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे हैं। पर्यटन की यह शैली मानसिक रूप से थके हुए प्रोफेशनल्स, कॉर्पोरेट लीडर्स और युवाओं को अपने विचारों को व्यवस्थित करने, एंजलाइटी को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को पुनर्जीवित करने का अवसर देती है।

कृषि-पर्यटन का नया रूप: फूड ट्रिज्म अब केवल अच्छे रेस्टोरेंट में जाकर खाना खाने तक सीमित नहीं रह गया है। इसका बिल्कुल नया और एडवांस रूप है सॉयल-टू-प्लेट और एग्रो ट्रिज्म। इसमें भोजन के शौकीन लोग सीधे उन खेतों, बागानों और जंगलों की यात्रा करते हैं, जहां उनका पसंदीदा भोजन पैदा होता है। वे खुद फसलों की कटाई करते हैं, जैविक



बहुत अलग-सुकूनदायक हैं घुमक्कड़ी के नए अंदाज



खेती के गुर सीखते हैं और स्थानीय किसानों के साथ मिलकर खाना बनाते हैं। इस ट्रेंड में 'फोरेजिंग' भी शामिल है, जहां एक विशेषज्ञ गाइड के साथ यात्री जंगलों या पहाड़ों में जाते हैं और जंगली मशरूम, जड़ी-बूटियां, बेरीज और खाने योग्य फूल खुद चुनकर लाते हैं। इसके बाद, ओपन-एयर किचन में शेफ के साथ मिलकर उन ताजा सामग्रियों से एक लज्जरी मील तैयार किया जाता है। यह अनुभव न केवल भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, बल्कि इसांनों को प्रकृति, कृषि और भोजन के उत्पादन के पीछे की तमाम प्रक्रियाओं से गहराई से जोड़ता है। यह शहरी लोगों को ग्रामीण संस्कृति के करीब लाता है।

एआई आधारित हाइपर-पर्सनलाइज्ड यात्राएं: कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई ने यात्रा की योजना बनाने के पारंपरिक तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। अब ट्रिज्म का मतलब केवल एक रेडीमेड पैकेज खरीदना नहीं रह गया है, बल्कि हाइपर-पर्सनलाइजेशन का दौर आ चुका है। इसमें एडवांस्ड एआई एल्गोरिदम यात्री के पिछले व्यवहार, सोशल मीडिया प्राथमिकताओं, मूड, बजट और यहां तक कि उनकी फिटनेस लेवल का विश्लेषण करके बिल्कुल अनोखा इटिनेरी यानी यात्रा कार्यक्रम तैयार करते हैं। मान लीजिए कि आपको शांत

जगहों पर पेंटिंग करना और स्थानीय खाना पसंद है, तो एआई आपके लिए एक ऐसा स्थान खोजेगा, जहां पर्यटक न के बराबर हों और वहां एक स्थानीय कलाकार के साथ आपकी वर्कशॉप बुक कर देगा। यह रियल-टाइम में भी काम करता है। अगर आपकी यात्रा के दौरान अचानक मौसम बदल जाता है या आपका मूड बदल जाता है, तो एआई तुरंत आपके शेड्यूल को अपडेट कर देता है। इस ट्रेंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह हर यात्री को 'यूनिक' और वीआईपी होने का अहसास कराता है, जिससे यात्रा का हर पल पूरी तरह से सार्थक और व्यक्तिगत बन जाता है।

पारिस्थितिकी-समुदाय को बेहतर बनाता रीजेनरेटिव ट्रिज्म: अब तक हम 'सस्टेनेबल ट्रिज्म' या टिकाऊ पर्यटन के बारे में सुनते आये थे, जिसका मतलब था पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाने वाला ट्रिज्म। लेकिन रीजेनरेटिव ट्रिज्म इससे भी एक कदम आगे है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप जिस जगह पर घूमने जा रहे हैं, वहां से लौटते समय उस जगह को पहले से बेहतर स्थिति में छोड़कर जाएं। इसके तहत पर्यटक अपनी यात्रा पर एक सकारात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और समुदाय को पुनर्जीवित करने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इस ट्रेंड के तहत, पर्यटक जंगलों में पेड़ लगाने, समुद्र तटों से प्लास्टिक कचरा साफ करने या लुप्तप्राय वन्यजीवों के संरक्षण प्रोजेक्ट्स में हाथ बंटाने हैं। इसके अलावा, वे अपना पैसा सीधे स्थानीय कारीगरों, छोटे होमस्टे और सामुदायिक व्यवसायों में खर्च करते हैं ताकि वहां की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। यह पर्यटन शैली उन यात्रियों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रही है, जो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हैं और अपनी यात्रा के माध्यम से दुनिया पर एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ना चाहते हैं। यह यात्रा को एक गहरी आत्मिक संतुष्टि और जिम्मेदारी की भावना से जोड़ता है। *

कोई जॉब पा लेना ही लास्ट टारगेट नहीं होना चाहिए। अपने प्रोफेशन में रेग्युलर प्रोग्रेस के लिए जरूरी है कि समय-समय पर करियर ऑडिट करते रहें। जानिए क्यों जरूरी है, रेग्युलर बेसिस पर अपने करियर का ऑडिट।

प्रोग्रेस के लिए जरूरी है रेग्युलर करियर ऑडिट



सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

घर की साफ-सफाई हो, अपने बैंक खाते का हिसाब देखना हो, गाड़ी की सर्विस करानी हो या अपने स्वास्थ्य की जांच, कुछ समयोंआल पर इसे कराते रहते हैं। लेकिन हमारी जॉब, हमारा करियर, जिस पर हमारी आमदनी, हमारी पहचान और हमारा भविष्य टिका होता है, क्या हम कभी इसकी जांच या ऑडिट करते हैं?

इसलिए है जरूरी: नौकरी में व्यस्त रहने की वजह से अक्सर हमें लगता है कि हम आगे बढ़ रहे हैं, जबकि कबे बार हम आगे नहीं बढ़ रहे होते, बस अपना समय काट रहे होते हैं। इसलिए छह महीने या एक साल बाद हमें एक बार अपने करियर को ऑडिट जरूर करना चाहिए।

खुद को परखें: अपने आपसे पूछें कि क्या मेरी कौमत् पिछले छह महीनों से एक साल के भीतर कुछ बढ़ी है या फिर मैं वहीं का वहीं हूं? क्या मेरी जिम्मेदारियां इस लायक हैं कि मुझ पर कोई संस्थान या कंपनी निर्भर लग रही हो? क्या मेरा कौशल इस लायक है कि यहां की नौकरी छोड़कर मुझे ऐसी ही कोई दूसरी नौकरी तुरंत मिल जाएगी? और हां, अपने देह, अपनी आँख और अपनी संतुष्टि पर भी एक तुलनात्मक नजर डालनी चाहिए। अगर लगे कि मेरी योग्यता मेरी आय से

ज्यादा है तो अपने करियर को आगे ले जाने का रास्ता चुन लेना चाहिए।
आपने क्या नया सीखा: हर छह महीने या एक साल बाद अपने कौशल, अपनी क्षमता में कुछ न कुछ नया जोड़ना चाहिए, जो उसके पहले आपमें



कोई नया सॉफ्टवेयर सीख लें, किसी एआई टूल का बेहतर इस्तेमाल करना सीख लें, भले अंग्रेजी की जरूरत न हो लेकिन अगर एक साल पहले के मुकाबले आप अपनी अंग्रेजी को बेहतर बना लें, तो यह आपके करियर के लिए उड़ान देने वाली ही होगी। नई भाषा, बेहतर प्रजेंटेशन, डेटा की समझ, किसी नए कौशल की जानकारी या उसमें पारंगत होना। अगर आप इनमें से कुछ भी कर लेते हैं, तो यह आपके करियर ग्रोथ में बहुत सहायक सिद्ध होगा।

स्किल्स इंप्रूवमेंट की जांच: करियर का ऑडिट

दरअसल, खुद से कुछ असहज कर देने वाले सवाल पूछने की प्रक्रिया है। मसलन, हमें अपने आपसे यह सवाल पूछना चाहिए कि क्या मेरी प्रोफेशनल वैल्यू पिछले छह महीने में कुछ बढ़ी है? मेरा अनुभव, मेरी काम करने की क्षमता, क्या पिछले कुछ समय में बेहतर हुई है? मैंने ऐसा क्या हासिल किया है, जिसे अपनी अगली नौकरी या प्रमोशन के लिए सामने रख सकूँ? यह भी तुलना करने रहना चाहिए कि क्या मेरे कौशल की बाजार में हाल फिलहाल मांग बढ़ी है और अगर मैं इसी गति से चलता रहा तो पांच साल बाद मैं कहां खड़ा होऊंगा? ये सवाल हमें हर छह महीने बाद अपनी नौकरी, अपने करियर और अपने भविष्य को लेकर खुद से ही पूछने चाहिए और ईमानदारी से उनका जवाब भी खुद ही देना चाहिए।

अपनी मार्केट वैल्यू पहचानें: सिर्फ एक संस्थान में अच्छी नौकरी में होना या अच्छा कर्मचारी साबित होना करियर की उन्नति के लिए पर्याप्त नहीं है। हमें हर समय इस सवाल का जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए कि अगर कल को मुझे नौकरी बदलनी पड़ती है तो जॉब मार्केट मेरी वैल्यू समझेगा या नहीं? यह भी जानें कि आज किस क्षेत्र की नई नौकरी में मांगा जा रहा कौशल आपमें है? यह भी सोचिए कि आने वाले तीन साल बाद वर्तमान कंपनी में मेरी क्या भूमिका होगी और मेरा करियर किस दिशा में जा रहा है? यकीन मानिए जब आप अपने इन सवालों का सकारात्मक जवाब देने में सक्षम होंगे तो निश्चित रूप से आपका करियर बेहतर होगा।

अपनी इंपॉर्टेंस को समझें: जब भी अपने करियर का मूल्यांकन करें, तो उसका आधार यह सवाल होना चाहिए कि अगर मैं नौकरी छोड़ दूँ, तो मेरी कंपनी को कोई फर्क पड़ेगा या नहीं? वास्तव में अगर फर्क नहीं पड़ेगा, तो मान लीजिए कि यह आपकी कमजोर कड़ी है। करियर ऑडिट में छह महीने से एक साल की कसौटी बनाइए और खुद से पूछिए कि समय अंतराल में आपने कंपनी के लिए ऐसा क्या महत्वपूर्ण काम किया कि अगर आप न करते, तो कंपनी को उसकी कमी महसूस होती। क्या आपने कंपनी का समय और पैसा बचाया है? कंपनी को छोड़िए, क्या आपने अपने

काम करने के ढंग में ऐसी कोई नई चीज जोड़ी है, जिससे छह महीने या एक साल पहले से अब आप बेहतर और ज्यादा काम कर रहे हैं। याद रखिए, इन उपलब्धियों का रिकॉर्ड आपके भविष्य में वेतन वृद्धि, प्रमोशन या नौकरी बदलते समय बहुत काम आएगी।

इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने करियर को ऑडिट करते हुए बेहद ईमानदार रहिए, क्योंकि आप करियर ऑडिट दूसरों को दिखाने के लिए नहीं, खुद को सही दिशा देने के लिए कर रहे हैं। *

नदी गाथा

वीना गौतम

साल 1917 में महात्मा गांधी द्वारा अहमदाबाद स्थित साबरमती नदी के किनारे बनाया गया साबरमती आश्रम, पूरी दुनिया में मशहूर है। दुनिया के किसी कोने का कोई भी पर्यटक यदि अहमदाबाद घूमने आता है तो उसकी पहली जिज्ञासा महात्मा गांधी का साबरमती आश्रम देखने की होती है। साबरमती नदी का संबंध 1930 के डांडी मार्च से भी है, जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की दिशा ही बदल दी थी। इस महत्वपूर्ण नदी का राजनीतिक या ऐतिहासिक ही नहीं इसका सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिस्थितिकीय महत्व भी कम नहीं है।

पश्चिम भारत की महत्वपूर्ण नदी: भले साबरमती, गंगा, ब्रह्मपुत्र या नर्मदा जैसी विशाल नदी न हो, लेकिन पश्चिम भारत की यह अति महत्वपूर्ण नदी है, जिसका उद्गम राजस्थान के उदयपुर जिले की अरावली पहाड़ियों से होता है और लगभग 371 किलोमीटर की यात्रा करके यह गुजरात में खंभात की खाड़ी में अरब सागर से मिल जाती है। साबरमती की पांच सहायक नदियां हैं- वात्रक, हथमती, हर्नाव, वाकल और सेई। इनके अलावा मेशो, मजम, खारी और भोगवो जैसी छोटी मौसमी नदियां भी इसके बेसिन का हिस्सा हैं।

सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण: साबरमती नदी का जिक्र गुजरात की लोककथाओं, लोकगीतों और लोकसाहित्य में बार-बार जीवन, शांति और संघर्ष के प्रतीक के रूप में होता है। साबरमती तट पर अनेक धार्मिक अनुष्ठान, स्नान, दीप दान उत्सव आयोजित होते हैं। साबरमती नदी के तट पर समय-समय पर विविधरंगी संस्कृति के दर्शन होते रहते हैं।

वर्षा आधारित अंतरराज्यीय नदी: साबरमती एक अंतरराज्यीय, वर्षा आधारित तथा अर्ध-शुष्क क्षेत्र की नदी है। इसका जलग्रहण क्षेत्र 21674 वर्ग किलोमीटर है, लेकिन अगर इसके समग्र बेसिन की बात करें तो यह 31901 किलोमीटर हो जाता है, जिसमें भोगवो तथा अन्य तटीय धाराएं भी शामिल हैं। साबरमती का जलग्रहण क्षेत्र 87 फीसदी गुजरात में और 13 फीसदी राजस्थान में स्थित है। कुल मिलाकर साबरमती एक वर्षा आधारित मौसमी नदी है, जिसमें 725 से 775 मिली मीटर औसत वार्षिक वर्षा का क्षेत्र शामिल है और अधिकतम वर्षा जुलाई से अगस्त के बीच होती है। इसी कारण मानसून में नदी का प्रवाह अत्यधिक बढ़ जाता है, जबकि गर्मियों में इसका प्राकृतिक प्रवाह कई हिस्सों में लभगभग शून्य हो जाता है। अहमदाबाद से गुजरने वाले नदी के हिस्से में आजकल दिखाई देने वाला अक्यांश स्थाई

सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले रहें एलर्ट

सोशल मीडिया पर आपकी पोस्ट पूरी दुनिया तक पहुंच सकती है, लेकिन जरा सी लापरवाही से यही पोस्ट आपको कानून के कठघरे में खड़ा कर सकती है। आलोचना और अभिव्यक्ति की आजादी के बीच इस सीमा के बारे में आपको एलर्ट रहना होगा।

प्रिकॉशन

प्रभाकांत कश्यप

सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को एक ऐसा मंच दिया है, जहां पर वह अपनी बात हजारों-लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। किसी घटना पर राय देनी हो, सरकार की आलोचना करनी हो, किसी व्यवस्था पर सवाल उठाना या किसी व्यक्ति के व्यवहार पर टिप्पणी करनी हो, तो मोबाइल की स्क्रीन पर फटाफट कुछ लिखना और सार्वजनिक करना आज बेहद आसान है। लेकिन यह आसानी आपको सजा का भागीदार भी बना सकती है।



अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा पहचानें: सोशल मीडिया पर लिखी हर बात 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के नाम पर सुरक्षित नहीं है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 (2) राज्य को संप्रभुता और अखंडता, राज्य की सुरक्षा, लोक व्यवस्था, शिष्टता या नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि और अपराध के लिए उकसावे जैसे आधारों पर इस स्वतंत्रता पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाने की अनुमति देता है। यानी संविधान हमें बोलने का अधिकार तो देता है, लेकिन दूसरे व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सार्वजनिक शांति या कानून व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की खुली छूट नहीं देता।

ऐसे पोस्ट्स पर हो सकती है सजा: लोकतंत्र में असहमति और आलोचना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। समस्या तब शुरू होती है, जब किसी पोस्ट, वीडियो, कमेंट या संदेश में धमकी, जानबूझकर उकसावा, झूठी सूचना, मानहानि या विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने वाला तत्व आ जाता है, तो यहीं पर भारतीय न्याय संहिता 2023 यानी बीएनएस महत्वपूर्ण हो जाती है। इसकी धारा 351 अपराधिक धमकी से संबंधित है। अगर किसी व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'तुमने मेरे खिलाफ शिकायत की है, अब तुम्हें मैं देख लूंगा।' ऐसी टिप्पणी आपराधिक धमकी के दायरे में आती है। सोशल मीडिया में की गई पोस्ट का मौजूद स्वर, उसका आशय और परिस्थितियां आपको दंड दिलवा सकती हैं।

नहीं कर सकते किसी का अपमान: सोशल मीडिया में किसी को गाली देना या अपमान करना हर स्थिति में सामान्य नहीं है। जब जानबूझकर किसी का अपमान किया जाए या जिसके खिलाफ टिप्पणी की गई हो, वह अदालत में इसे अपमान साबित कर दे, तो बीएनएस की धारा 352 के तहत टिप्पणी करने वाले को दो साल की सजा, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

फेक न्यूज फैलाना है अपराध: सोशल मीडिया पर फर्जी खबर पोस्ट करना या फॉरवर्ड करना भी कानूनन अपराध है। इसके तहत बीएनएस की धारा 353 के तहत दोष सिद्ध होने पर सजा या जुर्माना दोनों हो सकते हैं। अगर धारा 353 (1) लागू होती है, जिसके तहत झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट आदि को प्रकाशित या प्रसारित करना होता है, जिससे जनता के बीच भय पैदा हो जाए और सार्वजनिक शांति प्रभावित हो या एक वर्ग को दूसरे वर्ग के विरुद्ध अपराध के लिए उकसाया जाए, इस स्थिति में अधिकतम 3 साल का कारावास या जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। जबकि धारा 353 (2) के तहत यदि धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र, समुदाय आदि के आधार पर विभिन्न समूहों में दुश्मनी, घृणा या वैमनस्य पैदा करने वाली झूठी सूचना/अफवाह फैलाई गई हो तो अधिकतम 3 साल की सजा, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

धार्मिक पोस्ट बन सकता है विवाद की वजह: सोशल मीडिया पर धार्मिक बहस अक्सर बहुत जल्दी विवाद में बदल जाती है। बीएनएस की धारा 299 के तहत जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण तरीके से किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को उसके धर्म या धार्मिक विश्वासों के अपमान से आहत करने वाले कृत्यों को दंडनीय बनाती है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया गया कृत्य भी शामिल है। इस धारा के तहत 3 साल की सजा, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। इसी तरह बीएनएस की धारा 196 के तहत विभिन्न समूहों के बीच धर्म, नस्ल, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर वैमनस्य पैदा करने और सद्भाव बिगाड़ने पर यह अपराध सार्वजनिक शांति से जुड़े अपराध में आता है। धारा 196 (1) के तहत अपराध सिद्ध होने पर 3 साल की सजा या जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, जबकि धारा 196 (2) यानी यदि यह अपराध पूजास्थल या धार्मिक पूजा समारोह में जुटी सभा में किया जाता है, तो अधिकतम सजा 5 साल या जुर्माना या दोनों हो सकता है। *

जब भी साबरमती नदी का नाम लिया जाता है, तो सबसे पहले 'साबरमती के संत' गांधीजी और उनके प्रसिद्ध आश्रम का खयाल आता है। इसके अलावा साबरमती नदी का सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिस्थितिकीय महत्व भी कम नहीं है।

साबरमती में प्रवाहित होता है सामाजिक-सांस्कृतिक प्रवाह



जल धरोई बांध, वासणा, बेराज तथा नर्मदा नहर प्रणाली के जल प्रबंधन से बना रहता है।

जलीय और पारिस्थितिकीय विशेषताएं: साबरमती नदी अर्ध-शुष्क नदी बेसिन का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसकी बहुत बड़ी भूमिका भू-जल पुनर्भरण में है। मानसून के दौरान यह बड़ी मात्रा में गाद और पोषक तत्व नीचे की ओर ले जाती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण इसके



साबरमती नदी के किनारे स्थित साबरमती आश्रम

प्रवाह में बेहद अनिश्चितता बढ़ गई है, जो सबसे बड़ी चिंता का विषय है। साबरमती बेसिन में कई प्रमुख जल संरचनाएं विशेषकर धरोई और हथमती बांध तथा अन्य दर्जनो जलाशय, सिंचाई, पेय जल और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अगर साबरमती के औसत प्राकृतिक अपवाह की बात करें तो यह 4.14 बिलियन घन मीटर है। इसका अर्थ है कि साबरमती नदी के पूरे वर्ष का औसत प्रवाह लगभग 130 से 135 घन मीटर प्रति सेकेंड के बराबर है। साबरमती का प्रवाह मानसून के दौरान सबसे ज्यादा और गर्मियों में तो कई जगह यह प्रवाह शून्य हो जाता है। जहां तक साबरमती नदी के पारिस्थितिकीय और सांस्कृतिक महत्व का सवाल है तो इसके तटों पर स्थित वनस्पति, मिट्टी

के कटाव को रोकती है तथा स्थानीय जैव विविधता को समृद्ध करती है। सदियों में कई प्रवासी पक्षी नदी के किनारे और जलाशयों में आते हैं, जिससे यह पक्षी संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस नदी का प्राकृतिक प्रवाह, स्थानीय तापमान और आर्द्रता को भी संतुलित करने में योगदान देता है। साबरमती का नदी तंत्र दशकों में बनी उसकी नई और आकर्षक पहचान है। इससे पर्यटन, मनोरंजन, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है।

चुनौतियां हैं गंभीर: गर्मियों में इस नदी का प्राकृतिक जल प्रवाह बहुत कम और कई जगहों में तो शून्य हो जाता है। दूसरी बड़ी चुनौती औद्योगिक और शहरी प्रदूषण से है, जिससे नदी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। प्लास्टिक कचरा भी इस नदी के लिए गंभीर समस्या बनकर उभरा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी को जीवित बनाए रखने के लिए पर्याप्त पर्यावरणीय प्रवाह जरूरी है। साबरमती नदी का प्राकृतिक प्रवाह स्वच्छता और जैव विविधता की बढौलत जारी रह सकता है। इसलिए आने वाले सालों में समाज और सरकार दोनों को मिलकर साबरमती नदी की स्वच्छता और इसके संरक्षण के लिए प्रयास करना चाहिए। *

ज्ञानेश के खिलाफ मोर्चाबंदी की तैयारी कर रहा संपूर्ण विपक्ष

30 सितंबर को इंडिया गूट करेगा बैठक और इसमें 2 धुर विरोधी दल होंगे साथ

ममता से माकपा की नेता ने की बात



एजेसी ► नई दिल्ली

विपक्षी दलों के इंडिया गूट में शामिल कई पार्टियां 30 सितंबर को नई दिल्ली में बैठक कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि बैठक में चुनाव आयोग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठ रहे सवाल के साथ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। यह प्रस्तावित बैठक एसआईआर प्रक्रिया के कुछ पहलुओं को लेकर चुनाव आयोग के भीतर मतभेद की खबरों के बाद विपक्षी दलों के बीच बढ़े समन्वय के बीच होने जा रही है। ये एक-दूसरे के संपर्क में हैं और संयुक्त प्रतिक्रियापर चर्चा कर रहे हैं। माकपा, भाकपा और भाकपा माले लिबरेशन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और एसआईआर पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

मार्केट न्यून जरूरी नहीं रोशनी घिरागों से हो, बेटियां भी करती हैं घर को रोशन: संजीव जुनेजा

चंडीगढ़। 'इंटरनेशनल डॉट्स डे' के अवसर दिवसा हर्बलज प्रा. लि. के सुप्रसिद्ध प्रोडक्ट आयुर्वेदिक रूप मंत्रा के सौजन्य से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कंपनी के कर्मचारियों ने बड़-चढ़ कर हिस्सा लिया और बेटियों के प्रति अपने-अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर ब्रांड मशीन के नाम से मशहूर एंटरप्राइजर और इवेंस्टर डा. संजीव जुनेजा ने बेटियों का हमारे जीवन में होने के महत्व बताते हुए कहा कि बेटियां भगवान का दिया हुआ वह अनमोल उपहार है जो हमारे जीवन में अपार खुशियां और प्यार लाती हैं। हमारे घर-आंगन को खुशियों से भर देती हैं। आपकी राजकुमारी यह सुनने की हकदार है कि आप उससे कितना प्यार करते हैं। भले ही वह बड़ी हो गई हो और घर से दूर हो, फिर भी वे तो वो आपकी राजकुमारी ही। उन्होंने अपनी बेटी के बारे में भी कहा कि "मेरी नन्ही परी, तुम मेरी कमजोरी नहीं, बल्कि मेरी ताकत हो। मैं तुम्हारे लिए जीवन और समाज की हर परिस्थितियों और चुनौतियों से लड़ने के लिए हमेशा तैयार हूँ।" कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए डा. जुनेजा ने कहा कि बेटियों में आत्मविश्वास होना बहुत जरूरी है और उन्हें यह मिलता है, अपनी के विश्वास, प्यार और खुद के दृढ़ व्यक्तित्व से।

कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद को धमकी

संभल। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कुष्माण्ड ने शनिवार को दावा किया कि खालिस्तानी संगठन बख्बर खालसा के सरगना कुलवीर सिंह सिद्धू ने उन्हें आडियो संदेश भेजकर जान से मारने की धमकी दी है। उन्होंने कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय नंबर से फोन आ रहा था। उन्हें पंजाबी भाषा में एक आडियो संदेश मिला।

राशिफल

- मेघ** धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।
- वृष** वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।
- मिथुन** शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।
- कर्क** आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।
- सिंह** सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।
- कन्या** किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुखादुःखानापन में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।
- तुला** मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।
- वृश्चिक** शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।
- धनु** आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।
- मकर** व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।
- कुम्भ** मन अशांत हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।
- मीन** परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

खास बातें

- नई दिल्ली में हो सकती है बैठक
- एसआईआर पर सवाल उठा रहे
- चुनाव आयोग निशाने पर



तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस मिलाएंगी हाथ

इन घटनाक्रमों के बीच एक-दूसरे की विरोधी तृणमूल कांग्रेस और माकपा चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दे पर एक ही पक्ष में नजर आ रही हैं। माकपा महासचिव एमए बेबी ने इंडिया गूट और अन्य विपक्षी नेताओं को पत्र लिखकर मौजूदा घटनाक्रम पर बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। इसके बाद उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी बात की। ममता बनर्जी ने माना कि स्थिति पर समन्वित कार्रवाई की जरूरत है।

ज्ञानेश के खिलाफ की जा रही कवायद

विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की कवायद पर काम कर रहे हैं। कानूनी विशेषज्ञों से जांच के बाद इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किए जाने की संभावना है। विपक्ष की ओर से ऐसा यह तीसरा प्रयास होगा। विपक्षी दलों की ताजा लामबंदी इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के बाद तेज हुई है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कई मौकों पर आपत्तियां उठाई थीं।

ठाकरे ब्रदर्स सीईसी के खिलाफ निकालेंगे रैली



एसआईआर की आड़ में वोटरों के साथ धोखा किया गया

चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर इन दिनों देश में खलबल मचा हुआ है। विपक्ष लगातार केंद्र और चुनाव आयोग पर हमलावर है विपक्ष चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है। अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे रैली निकालकर का ऐलान कर दिया है राज ने एक्स पर पोस्ट कर ऐलान किया कि एमएनएस और शिवसेना (अखंड ठाकरे) चआयोग के रवैए को लेकर रैली निकालेंगे।

आयोग को बताया केंद्र की शाखा

उन्होंने लिखा कि मुख्य चुनाव आयुक्त एसआईआर की आड़ में वोटरों को भुरी तरह धोखा दिया है। जैसे वे सत्ताधारी पार्टी की ही कोई शाखा हो। इसी के विरोध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिवसेना 4 अक्टूबर को मुंबई में जनरैली निकालेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा अलग-अलग विचार और टिप्पणियां आना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा

चुनाव आयोग ने कहा है कि किसी बहुसदस्यीय संस्था में अलग-अलग विचार और टिप्पणियां आना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग ने यह भी कहा है कि उसके आदेशों को पूरी कानूनी मंजूरी हासिल है और वे वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप हैं। इससे पहले 23 राजनीतिक दलों और एक निरदलीय सांसद ने एसआईआर प्रक्रिया तथा चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश से सामूहिक रूप से संपर्क किया था। इससे इस मुद्दे पर विपक्षी दलों के बीच व्यापक समन्वय का संकेत मिला है।

दीपके की चेतावनी

इस्तीफा दें ज्ञानेश नहीं तो 2 से होगा प्रदर्शन

सोरोपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने



कहा कि अगर सीईसी/निवार तक इस्तीफा नहीं देते हैं, तो पार्टी 2 अक्टूबर से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। एक्स पर एक पोस्ट में, दीपके ने कहा कि सोरोपी गांधी जयंती पर मुंबई से अपना विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगी और बाद में इस आंदोलन को देशभर में ले जाएंगी।

जियो कर्मचारियों ने हरियाणा भर में सफाई अभियान चलाया



चंडीगढ़। हरियाणा भर में रिलायंस जियो के कर्मचारियों ने आज स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता ही सेवा पहल में भाग लिया। इस अभियान का सवाल रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सामाजिक सेवा शाखा रिलायंस फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है। मोहाली स्थित जियो के हरियाणा राज्य कार्यालय ने मोहाली नगर निगम के साथ मिलकर मोहाली के फेज 7 में सफाई अभियान चलाया। जियो हरियाणा राज्य कार्यालय के कर्मचारियों के साथ-साथ जियो हरियाणा के वरिष्ठ लीडरशिप सदस्यों ने भी इस अभियान में भाग लिया। हरियाणा भर में भी जियो कर्मचारियों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान में बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मोहाली, फेज 7 के अलावा, पूरे में हरियाणा में 40 स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में 1100 से अधिक जियो कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों ने भी इस पहल में भाग लिया।

चढ़ावा चोरी: अविनाश ने की 85 बार चोरी



अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी में एक और खुलासा हुआ है। चार्जशीट में आरोपी अविनाश शुक्ला फुटेज में 85 बार रकम चोरी करते दिखाई दिया है। चार्जशीट में 25 से 30 जुलाई के फुटेज में भी चोरी का उल्लेख किया गया है। अनुकल्प मिश्रा के मोबाइल से अविनाश और लवकुश के साथ रकम पर टेक्स्ट संदेश मिले।

प्रधानमंत्री से मिले योगी, लंबी बैठक में चुनाव समेत कई मुद्दों पर की 'गुप्तगू'



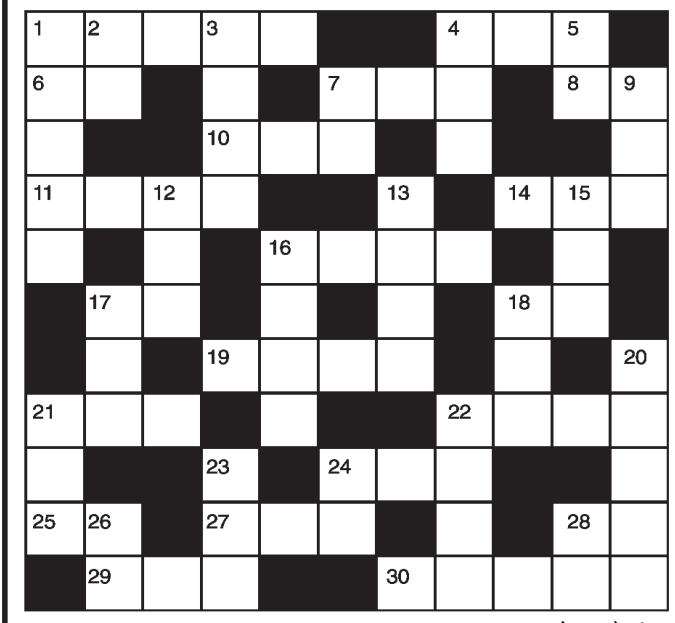
वर्कोटि यूपी चुनाव से पहले अक्टूबर में यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर 16 को वोटिंग होगी। योगी ने एक्स पर लिखा कि आपका मार्गदर्शन नए उत्तर प्रदेश के निर्माण को मुझे सदैव नई ऊर्जा देता है।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। लंबी बैठक में यूपी चुनाव की रणनीति के साथ राज्यसभा और एमएलसी चुनाव पर चर्चा की। अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ये बैठक काफी अहम मानी जा रही है।

नागालैंड में नकली शराब पीने से 19 लोगों की मौत

मोकोकचुंग (नगालैंड)। पूर्वोत्तर राज्य नागालैंड में 36 साल से लागू शराबबंदी के बीच नकली शराब से 19 लोगों की मौत होने की खबर आई है। वहीं पुलिस ने नकली शराब की 3000 बोतलें जब्त भी की हैं। पिछले 2 दिन में 19 मौतें हुई हैं, जिसके मद्देनजर नकली शराब के नेटवर्क को पकड़ना शुरू कर दिया गया है। 19 में से 8 की मौत मोकोकचुंग में और 11 की मौत तुपनसांग में हुई। शराब पीने के बाद ही सभी की तबियत बिगड़ी और कुछ ने अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वेसुप्रा केजो ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आई बंगालांग चांग के नेतृत्व में विशेष जांच दल गठित किया गया है, जो 19 मौतों के कारणों का पता लगाएगी। इसके लिए सैप्टल लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। पुलिस ने छापेमारी कर 19 लोगों को गिरफ्तार किया और 3000 बोतल शराब जब्त की। लोगों को अज्ञात, बिना लेबल वाली या अवैध शराब का सेवन नहीं करने की सलाह है। शराब पीने के बाद चक्कर आए या सांस लेने में कठिनाई हो तो अस्पताल जाएं।

शब्द पहेली - 6360



बाएँ से दाएँ

- उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
- कराह,टीस,लालसा-3
- हानि, आपत्ति-2
- दुश्मनी, बैर-3
- ईसाफ-2
- साठवीं जयंती-3
- जलाऊ लकड़ी-4
- छोटा भाई-3
- निरंकुश,आवारा-4
- ठाठ-बाट-2
- आफत,मुसीबत-2
- शैतानी,बदमाशी-4
- सहायता-3
- इच्छा,लालसा-4
- कवि,गजलकार-3
- जरा,थोड़ा-2
- मुलायम,नाजुक-3
- गुफा,खोह-2
- प्रियतम,सम-3
- मन मोहने वाला-5

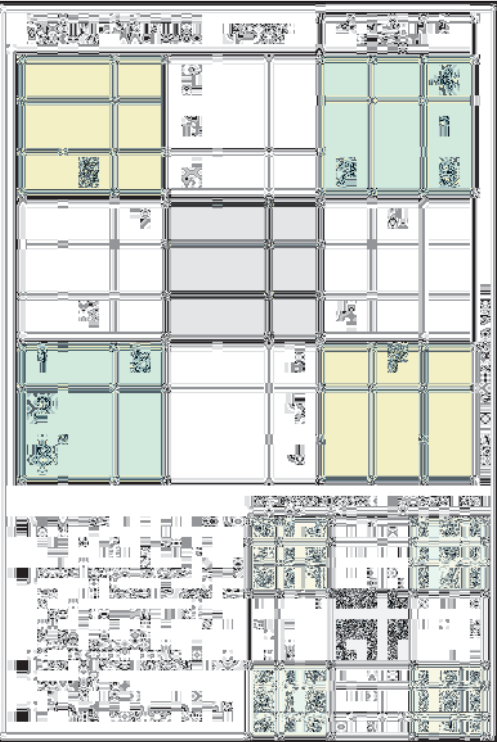
ऊपर से नीचे

- सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
- उत्साह,शक्ति-2
- बिनाबाल वारा,गंजा-4
- पंक्ति,लाइन-3
- लड़की,पुत्री,बेटी-2
- वहम,संवेह-2
- जुड़वा-3
- प्रतिज्ञा,कसम-3
- गंगा का पानी-4
- तीखा,तीक्ष्ण-3
- आतुर,धैर्यहीन-4
- संभवतः-3
- मर्कट,कपि-3
- गोविंदा,खुशबू

की फानी-5

- पानी खने का चमड़े का पात्र-3
- मनोकामना-4
- साजन,प्रेमी-3
- संध्या,सांझ-2
- आनंद-2
- महीना,मास-2

शब्द पहेली- 6359 का हल



जेयूआईटी में एचपीपीडब्ल्यूडी एवं एचपीडीआरआरपी अभियंताओं के लिए स्टील संरचना डिजाइन पर प्रशिक्षण शुरू

वाकनाघाट। जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजिनियरिंग टेक्नोलॉजी (जेयूआईटी) के सivil इंजीनियरिंग विभाग द्वारा "Design and Detailing of Steel Frames & Trusses using STAAD Pro as per IS 800:2007" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। इसमें HPPWD एवं HPDRRP से नामित 22 सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में डॉ. तनमय गुप्ता, प्रशिक्षण समन्वयक, ने हिमाचल प्रदेश के भूकंपीय एवं कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में सुरक्षित, किफायती एवं कोड-अनुरूप संरचनात्मक डिजाइन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्टील डिजाइन में RCC से अलग slenderness, buckling, stability, connections, fabrication, erection एवं serviceability जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान आवश्यक है तथा केवल software output के बजाय engineering judgement की महत्वपूर्ण है। प्रो. आशीष कुमार, HOD, सivil इंजीनियरिंग, जेयूआईटी, ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और HPPWD के साथ जेयूआईटी के निरंतर तकनीकी सहयोग को रेखांकित किया। उन्होंने विशेषज्ञ वक्ता श्री अनुकूल कुमार, Assistant Manager, Intercontinental Consultants and Technocrats Pvt. Ltd. (ICT) का भी स्वागत किया। प्रशिक्षण में steel frame एवं truss modelling, loading एवं analysis, IS 800:2007 के अनुसार Limit State design, member optimisation, long-span trusses तथा RHS/SHS/CHS sections पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सूचना

मैं, राजेन्द्र पुत्र श्री जय भगवान निवासी गांव कासण्डी, उप तह. खानपुर कलां, जिला सोनीपत (हरियाणा) बयान करता हूँ कि मेरा पुराना नाम राजेन्द्र है। अब मैं अपना नाम बदलकर राजेन्द्र से राजेन्द्र सिंह करवाना चाहता हूँ। भविष्य में मुझे राजेन्द्र सिंह के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

सूचना

मैं, पंकी पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह निवासी गांव कासण्डी, उप तह. खानपुर कलां, जिला सोनीपत (हरियाणा) बयान करती हूँ कि मेरा पुराना नाम पंकी है। अब मैं अपना नाम बदलकर पंकी से पंकी देवी करवाना चाहती हूँ। भविष्य में मुझे पंकी देवी के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

निविदा/बोली आमंत्रण सूचना

सभी योग्य एवं इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला गोबिंदपुरी (रेवाड़ी) के विभाग द्वारा घोषित जर्जर भवन को तोड़ने हेतु 30 सितंबर, 2026 को प्रातः 9:00 बजे विद्यालय परिसर में बोली लगाई जाएगी। एएसएसए की संबंधित नियम व शर्तें मौके पर ही बताई जाएंगी। बोलीदाता को बोली से पूर्व 25% राशि तथा सफल बोलीदाता को 100% राशि जमा करवानी होगी।

राजकीय उच्च विद्यालय बोहतवास अहीर (2468)

खण्ड खोल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा)
निविदा/ बोली आमंत्रण सूचना
सभी योग्य एवं इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि राजकीय उच्च विद्यालय बोहतवास अहीर (रेवाड़ी) के विभाग द्वारा घोषित जर्जर भवन को तोड़ने हेतु 29 सितंबर, 2026 को प्रातः 9:00 बजे स्कूल प्रांगण में बोली लगाई जाएगी। एएसएसए की संबंधित नियम व शर्तें मौके पर ही बताई जाएंगी। बोलीदाता को बोली से पूर्व 25 प्रतिशत राशि जमा करवानी होगी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुन्डी (2496)

खण्ड खोल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा)
नीलामी सूचना
सभी योग्य एवं इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुन्डी (2496), खण्ड खोल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) में पुराने जर्जर भवन को तोड़ने के कार्य हेतु व नीलामी हेतु दिनांक 29.09.2026 को प्रातः 9:00 बजे स्कूल प्रांगण में बोली लगाई जानी है। नियम एवं शर्तें SSA की लागू होंगी है जो कि मौके पर बता दी जाएगी। बोलीदाता को बोली से पूर्व 25 प्रतिशत राशि व सफल बोलीदाता को 100 प्रतिशत राशि जमा करवानी होगी।

निविदा/बोली आमंत्रण सूचना

सभी योग्य एवं इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला सौहार्द (रेवाड़ी) के विभाग द्वारा घोषित जर्जर भवन को तोड़ने हेतु 29 सितंबर, 2026 को प्रातः 9:00 बजे विद्यालय परिसर में बोली लगाई जाएगी। एएसएसए की संबंधित नियम व शर्तें मौके पर ही बताई जाएंगी। बोली दाता को बोली से पूर्व 25% राशि तथा सफल बोली दाता को 100% राशि जमा करवानी होगी।

राजकीय उच्च विद्यालय बोहतवास अहीर (2468)

खण्ड खोल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा)
निविदा/ बोली आमंत्रण सूचना
सभी योग्य एवं इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि राजकीय उच्च विद्यालय बोहतवास अहीर (रेवाड़ी) के विभाग द्वारा घोषित जर्जर भवन को तोड़ने हेतु 29 सितंबर, 2026 को प्रातः 9:00 बजे स्कूल प्रांगण में बोली लगाई जानी है। नियम एवं शर्तें SSA की लागू होंगी है जो कि मौके पर बता दी जाएगी। बोलीदाता को बोली से पूर्व 25 प्रतिशत राशि तथा सफल बोलीदाता को 100 प्रतिशत राशि जमा करवानी होगी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुन्डी (2496)

खण्ड खोल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा)
नीलामी सूचना
सभी योग्य एवं इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुन्डी (2496), खण्ड खोल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) में पुराने जर्जर भवन को तोड़ने के कार्य हेतु व नीलामी हेतु दिनांक 29.09.2026 को प्रातः 9:00 बजे स्कूल प्रांगण में बोली लगाई जानी है। नियम एवं शर्तें SSA की लागू होंगी है जो कि मौके पर बता दी जाएगी। बोलीदाता को बोली से पूर्व 25 प्रतिशत राशि व सफल बोलीदाता को 100 प्रतिशत राशि जमा करवानी होगी।

निविदा/बोली आमंत्रण सूचना

सभी योग्य एवं इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुड़ौली एवं राजकीय प्राथमिक पाठशाला बुड़ौली, जिला-रेवाड़ी में पुराने जर्जर भवन को तोड़ने के कार्य हेतु दिनांक 29.09.2026 को प्रातः 9:00 बजे स्कूल प्रांगण में बोली लगाई जानी है। नियम एवं शर्तें SSA की लागू होंगी है जो कि मौके पर बता दी जाएगी। बोलीदाता को बोली से पूर्व 25% राशि तथा सफल बोली दाता को 100% राशि जमा करवानी होगी।

हस्ता/- प्राचार्य
रा.व.मा. वि. बुड़ौली (2521), मो. 8816023575, 9416949537

CHHOTU RAM POLYTECHNIC, ROHTAK (Run & Managed by Jat Education Society (Regd.), Rohtak) Phone: 01262-274667 PUBLIC NOTICE

It is hereby notified for the general public that an open auction of old Class-IV Quarters (society) of Chhotu Ram Polytechnic, Rohtak, will be held in the college premises on dated 07/10/2026 at 11.00 am. The tentative cost of the material is Rs. 1,83,000/- (one lakh eighty-three thousand only). Interested bidders may participate in the auction by depositing Earnest Money of Rs. 20,000/- in cash before the commencement of the auction. The highest bidder will be required to deposit 25% of the bid amount within two days and the remaining amount within a period of 45 days or disposal of all the material whichever is earliest.

The auction shall be held on "as is where is" basis, and the decision of the auction committee shall be final and binding. For further details/queries or to inspect the site you may contact the Principal from 10 am to 1:00 PM in all working days.

PRINCIPAL

मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शامت आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि आज देश में मुंडे जैसे अफसरों की खास जरूरत है। आज देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य इमानदारी आम बात बन जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है, जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके। *मिलावटखोरी और इस पर रोक के मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था में भ्रष्टाचार



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शامت आ गई है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें।

डंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शامت आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरूआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है।

नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें।

प्रभावी नियंत्रण नहीं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक न लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, गुणाफखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति. दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुगकी से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को खराब से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपरंपरा गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। वक्त पर गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद गुणाफखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह गुर रुह जाता है। भले ही नकली दूध पाने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निंदोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी गुणाफखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।



कठोर कानून और नियमन की जरूरत

कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तथ्य मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और क्षमक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नाइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुर्माने, जेल की सजा और

उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोक जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

जीरो टॉलरेंस की नीति बने

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे कस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखाता है, इसलिए गुणाफखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समर्थों सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टॉलरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी गुणाफखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पैघ कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलाभाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है।

चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करें। खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों को भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थ में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून हैं, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लागम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है।

कई देशों में कड़े कानून

चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करें। खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों को भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थ में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून हैं, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लागम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है।

नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र में जब कोई अफसर नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करता है, तो लोग उसे अक्सर 'हीरो' कहने लगते हैं। तुकाराम हरिभाऊ मुंडे ऐसे ही अफसर हैं। बीड जिले के ताडसोना गांव के किसान परिवार में जन्मे मुंडे ने बिना कोचिंग के 2004 की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 20 हासिल की और 2005 बैच के महाराष्ट्र केडर के आईएसएस बने। करीब इक्कीस साल की सेवा में उनके पन्चीस के आसपास तबादले हुए। फिर भी वे बार-बार चर्चा में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्होंने पानी, शहर प्रशासन, स्वास्थ्य और अब खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों को कागजी फाइल से निकालकर मैदान में उतारा। सवाल यही है कि क्या देश को ऐसे प्रोएक्टिव अफसरों की और जरूरत है, जो स्वास्थ्य की शुद्धता और स्वच्छता को प्राथमिकता दें? मुंडे की पहचान सिर्फ तबादलों से नहीं बनती। सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में पले-बढ़े होने के कारण पानी उनके काम का केंद्र रहा। सोलापुर में जिलाधिकारी रहते हुए उन्होंने जलयुक्त शिवार योजना के तहत तेजी से जल संरक्षण कराया, टैंकर माफिया पर लगाम लगाई और सैकड़ों गांवों को टैंकर-मुक्त बनाने की कोशिश की। इसी काम के लिए उन्हें 'महाराष्ट्र का वाटरमैन' कहा गया। इस साल मई में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के आयुक्त बनने के बाद मुंडे की छवि और काम के लाइसेंस निर्लंबित हुए, स्टैंक जब्त हुआ और सुधार नोटिस जारी किए गए। मुंडे का रुख साफ रहा कि जनस्वास्थ्य के मामले में हैसियत, नाम या पहुंच से समझौता नहीं होगा। बीबीसी और अन्य समाचार माध्यमों ने उन्हें सोशल मीडिया स्टार भी कहा, क्योंकि रसोईघरों की तस्वीरें और कार्रवाई की खबरें तेजी से फैलीं। साथ ही बंबई हाईकोर्ट ने एक मौके पर चेतावनी

दी कि मच्छर मारने के लिए तलवार न चलाई जाए। यानी सख्ती जरूरी है, पर अनुपात और प्रक्रिया भी। यहीं से मूल प्रश्न उठता है। भारत में खाद्य मिलावट, नकली दवा, गंदे जल और कमजोर अस्पताल निरीक्षण नई समस्याएं नहीं हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एफएसएसएआई) और राज्य के अन्न एवं औषधि प्रशासन के नियम हैं, स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन चलते हैं, फिर भी जमीनी अमल अक्सर ढीला रहता है। जब तक अफसर

काम को सजा नहीं, सुरक्षा मिले। स्वास्थ्य की शुद्धता केवल रेस्तरां छापे नहीं है। यह दूध में यूरिया, मसालों में रंग, दवा में कम मात्रा और सरकारी अस्पताल की गंदगी भी है। स्वच्छता केवल सड़क की सफाई नहीं, रसोई, गोदाम, प्रयोगशाला और दवा फैक्ट्री की सफाई है। क्या पूरे देश को ऐसे अफसर चाहिए? हां, लेकिन नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की



देश को आज तुकाराम हरिभाऊ मुंडे जैसे अफसरों की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए, जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी।

खुद मैदान में नहीं उतरता, शिकायत पोर्टल और वार्षिक रिपोर्ट से डर नहीं बनता। मुंडे जैसे अधिकारी इसी अंतर को भरते हैं। वे इंटरनेट नहीं करते कि मामला अदालत या मीडिया तक पहुंचे। आम नागरिक को यह दिखता है कि सरकार सिर्फ बयान नहीं दे रही, काम भी कर रही है। इसीलिए वे 'सिंघम आईएसएस' कह जाते हैं।

अगर हर इमानदार अफसर को छह-आठ महीने बाद हटा दिया जाए, तो संदेश यह जाता है कि नियम लागू करना जोखिम है, अनदेखी करना सुरक्षित। देश को ऐसे अफसर चाहिए, पर उससे ज्यादा ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें प्रोएक्टिव

थाली में पहुंचता जहर, बिगाड़ रहा सेहत!



सावधानी

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

हमारी थाली केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। दूध, दही, ची, तेल, मसाले, अनाज, फल-सब्जियां और मिठाइयां शरीर को पोषण देने के लिए हैं। लेकिन जब इन्हीं खाद्य पदार्थों में मिलावट, रासायनिक मिश्रण या हानिकारक तत्व पहुंच जाते हैं तो तबले पोषण के बजाय स्वास्थ्य का शोषण करने लगता है। समस्या इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दूषित भोजन का असर कई बार तत्काल दिखाई देता है, जबकि कुछ रासायनिक पदार्थों का नुकसान हमें धीरे-धीरे पता चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि दुनिया में हर साल करीब 86.6 करोड़ लोग दूषित भोजन खाते रहेंगे। देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य इमानदारी आम बात बन जाएगी। वही असली सफलता होगी।

मौतों में करीब 73 प्रतिशत हिस्सेदारी रासायनिक खतरों की थी। इनमें अकार्बनिक आर्सेनिक और सीसा प्रमुख थे। लंबे समय तक ऐसे तत्वों के संपर्क में रहने से हृदय रोग और कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। यहां यह समझना जरूरी है कि खाद्य में मिलावट या गड़बड़ी एक ही बात नहीं है। किसी खाद्य पदार्थ में जानबूझकर घटिया या अनधिकृत सामग्री को मिलावट हो सकती है, जबकि बैक्टीरिया, वायरस, भारी धातु, विषैले रसायन या खराब भंडारण के कारण भी भोजन दूषित हो सकता है। दोनों ही स्थितियां हमारे



खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। भारत में इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई लगातार खाद्य पदार्थों की जांच करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में देशभर में 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए। हाल ही में एफएसएसएआई ने दूध से प्राप्त सामग्री के बजाय अन्य घटकों से बनाए गए पनीर पर ब्रिजी संबंधी प्रतिबंधों का संसद में ड्राफ्ट संशोधन जारी किया है। मकसद, ऐसे उत्पादों को पनीर के नाम से बेचे जाने पर रोक लगाना है। फिलहाल यह ड्राफ्ट है, इसलिए इसे अंतिम नियम मानना जल्दबाजी होगी। पहले

वैज्ञानिक जांच व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी होगी, नमूनों की रिपोर्टिंग में तेजी लानी होगी और दोषी कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत



व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

शहर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे लगने वाले ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय उत्पाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उठना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे

कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके। सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोखने की स्वच्छता, कचरा निस्सारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषयवत्ता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी। स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना क्यों बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना खाया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अलग-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है।

छोटे विक्रेताओं को केवल बंडित करने के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुविधाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वैडिंग जोन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कूड़ेदान, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे विक्रेताओं और बाहरी दोनों को लाभ होगा तथा सड़कों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए निग्रम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना उपाय व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसे सख्त नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर बल सिर से विचार करने की जरूरत है। आखिरकार सवाल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाला भोजन का नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाखों छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके।

स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

बरवाल की ऐतिहासिक जीत, मैराथन में 44 साल के सूखे को किया खत्म



एजेंसी ►► नगोया

सावन बरवाल ने एशियाई खेलों में पुरुषों की मैराथन फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर अप्रत्याशित रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा 44 साल बाद भारत का पहला पदक है। भारत ने पिछली बार मैराथन में पदक 1982 के एशियाई खेलों में जीता था। सेना के 28 वर्ष के खिलाड़ी बरवाल ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी की।

वह स्वर्ण पदक जीतने वाले जापान के इचिताका यामाशिता से 48 सेकंड पीछे रहे, जिन्होंने दो घंटे 10 मिनट 49 सेकंड का समय निकाला। चीन के पेङ्यू फेंग 2 घंटे 12 मिनट 13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। एशियाई खेलों में मैराथन में इससे पहले 1982 में दिल्ली में होंसुर कुक्काप्पा सीतारन ने भारत को कांस्य पदक दिलाया था। बरवाल एशियाई खेलों में मैराथन में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय भी बन गए।

1951 में छोटा सिंह ने जीता था स्वर्ण

दिल्ली में 1951 में पहले एशियाई खेलों में छोटा सिंह ने स्वर्ण और सूरत सिंह माथुर ने कांस्य पदक जीता था। बरवाल ने 5000 मीटर, 10000 मीटर और हाफ मैराथन दौड़ने के बाद इसी साल मैराथन में पदार्पण किया। अप्रैल में बरवाल ने रॉटरडम में एनएन मैराथन में शिवनाथ सिंह का 48 साल पुराना दो घंटे 11 मिनट 58 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

मेरा लक्ष्य पदक जीतना था : बरवाल

बरवाल ने रेस के बाद कहा, 'मेरा लक्ष्य पदक जीतना था, अपना रिकॉर्ड बेहतर करना नहीं। लेकिन यह भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय बाद देश के लिए पदक जीत सका। बरवाल आधी रेस पूरी होने तक दूसरे स्थान पर चले गए थे। उन्होंने कहा,

मेरा लक्ष्य 39.40 किलोमीटर तक पहले ग्रुप में रहना था। मैं पहले ग्रुप में रहा और आखिरी एक दो किलोमीटर में फिनिश करने का फैसला किया। आखिर में 38.37 किलोमीटर में तीन ही रनर थे। मैंने एक सी रफ्टार बनाये रखने की कोशिश की।'

महिला टीम को राइफल थ्री पोजिंशंस में रजत



नागोया। भारत की तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विजोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने शनिवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिंशंस में रजत पदक जीता और तिलोत्तमा व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम ने 1763 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंक लेकर खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण

पदक जीता जबकि कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा ने अहम मौके पर 9.4 स्कोर किया, जिससे पदक करीब से हाथ से निकल गया। विदर्सा 327.4 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। तिलोत्तमा फाइनल में पहले 25 शॉट के बाद आगे चल रही थी और 30 शॉट के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई।

बैडमिंटन : क्वार्टर फाइनल में उन्नति, आयुष और लक्ष्य बाहर



वर्षीय खिलाड़ी ने दुनिया की छोटे नंबर की इंडोनेशियाई खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वारदानी पर 21-19, 21-13 की शानदार जीत दर्ज की और जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मुकाबला तय किया।

युवा शटलर उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बेहतरीन जीत दर्ज की और महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई जबकि लक्ष्य सेन और आयुष शेठ्टी शनिवार को एशियाई खेलों से बाहर हो गए। उन्नति ने मलेशिया की लिंग चिंग वोंग को 21-14, 20-22, 21-19 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। इसके बाद हरियाणा की 19

क्वार्टर फाइनल में कपिल और प्रिया



जादूगुण पुरुषों के 55 किलो वर्ग में फिलीपींस के तोक्थी ओलंपिक रजत पदक विजेता कार्लो पालाम से 0-3 से हार गए। पोखरिया ने शुरू ही से दबाव बनाकर पहले दौर में 4-1 की बढ़त बना ली। अपने दमदार पंच की मदद से उन्होंने लंबे कद के एस्ताकी को खुलकर खेलने नहीं दिया।

स्ववाश : जोशना-सेथिलकुमार ने जीता कांस्य



भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की स्ववाश प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया तथा युवा सनसनी अनाहत सिंह ने जहां महिला एकल में जापान की विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया वहीं अभय सिंह भी पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रहे। भारत की 18 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने सेमीफाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके अपने करियर को सबसे बड़ी जीत हासिल की। अनाहत ने यह मैच 9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3 से जीता और इस तरह से इसी साल के शुरू में जापानी खिलाड़ी से मिली हार का बदला चुकता कर दिया।

अमय ने पाकिस्तान के इरफान को हराया

इसके बाद अमय ने पाकिस्तान के मोहम्मद इरफान को 3-0 (11-3 12-10 11-6) से हराकर पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया। अमय ने सेमीफाइनल में शानदार शुरुआत करते हुए पहले ही गेम में 6-2 की बढ़त बना ली और 35 मिनट तक चले मैच में अपनी इस लय को बरकरार रखा। भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पाकिस्तान के खिलाड़ी ने दूसरे गेम में उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और वह 2-0 की बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे।

पुरुष हॉकी : जापान को हराकर सेमीफाइनल में टीम इंडिया



काकानिगाहाआ। गत चैंपियन भारत ने शनिवार को पूरा ए के कड़े मुकाबले में मेजबान जापान को 2-0 से हराकर एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने इससे पहले अपने शुरुआती तीन पूल मुकाबलों में इंडोनेशिया को 13-1, श्रीलंका को 16-1 और दक्षिण कोरिया को 8-2 से करारी खिस्तर दी थी। यह भारत की लगातार चौथी जीत थी, जिससे उनका अजेय अभियान जारी रहा।

क्रिकेट

वनडे विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट आगे बढ़ा : शेफाली



एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टीम को चैंपियन बनाने में शेफाली वर्मा ने अहम किरदार निभाया। शेफाली ने कहा कि वनडे विश्व कप जीतने के बाद से महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। उन्होंने अपने उस मुश्किल समय को भी याद किया, जब वह टीम से बाहर चल रही थीं।

शेफाली ने कहा, मुझे याद है जब हमने वनडे विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी तो हमने उसे उठाया था। उसके बाद से भारतीय महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। बीच में कई मुश्किलें भी आईं। हम कोशिश करेंगे कि आगे ऐसी मुश्किलें न आएं और देश का नाम रोशन करें।

मेरे क्रिकेट करियर का सबसे दुखद पल

शेफाली वर्मा ने उस समय को भी याद किया, जब वह भारतीय टीम से बाहर चल रही थीं। उन्होंने कहा, जब मुझे टीम से बाहर किया गया, तो वह मेरे क्रिकेट करियर का सबसे दुखद पल था। वह समय मेरे लिए बहुत मुश्किल था। टीम से बाहर रहने के दौरान मैंने कितनी मेहनत की, यह सिर्फ मुझे ही पता है। सबसे अच्छी बात यह रही कि मैंने सब कुछ स्वीकार कर लिया। हां, मैं टीम में नहीं हूँ, लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करनी है और इस समय का सही इस्तेमाल करना है। मुझे यह साबित करना था कि मैं सबसे अच्छी हूँ। मैं अपने देश और अपनी टीम के लिए सबसे अच्छी हूँ।

परिवार ही हमारे लिए सब कुछ

भारतीय सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा, इसी कारण मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की। मैंने अपनी मानसिक सेहत, स्किल्स और फिटनेस पर काम किया। मुझे खुशी है कि उस समय मैंने सही फैसले लिए और खुद पर काम किया। मैंने खुद को किसी भी बुरी घटना या बातों का सामना नहीं करने दिया। मुझे लगता है कि आखिर में परिवार ही हमारे लिए सब कुछ है। जिस तरह से उन्होंने उस समय मेरा साथ दिया, उसके लिए उनका शुक्रिया। फिर जब हमने वनडे वर्ल्ड कप जीता, तो खुशी के आँसू आ गए।

कोहली 2027 में खेलेंगे आखिरी विश्व कप, रोहित का आया रिएक्शन

एजेंसी ►► तिरुवनंतपुरम

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि अगले साल होने वाला वनडे विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा, जिसमें खिताब जीतने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह अपना सब कुछ झोंक देंगे। 37 साल के कोहली अब सिर्फ एक प्रारूप में खेल रहे हैं। उन्होंने रविवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले अपने भविष्य को लेकर यह बात कही। अगले साल का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा।

निश्चित रूप से विश्व कप जीतना लक्ष्य : विराट

कोहली ने कहा, 'मेरे लिए यह भारत की ओर से खेला जाने वाला आखिरी विश्व कप होगा और यही मेरी प्रेरणा है। मैं अपना सब कुछ झोंक देना चाहता हूँ। निश्चित रूप से लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए जो भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूँ।'

आज से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज



क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होगी भारत और अफगानिस्तान की टीम

एजेंसी ►► नई दिल्ली

एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए।

लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है।



पहला क्वार्टर फाइनल 28 सितंबर को

पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना

के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा। चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से बांग्लादेश और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

टाएं पैर में इंजरी; मार्च में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला

हार्दिक फिर चोटिल, न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सीनियर हरफनमौला हार्दिक पंड्या को दाहिनी पिंडली में फिर चोट लग गई है, जिससे वह तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे और न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के दौर से बाहर हो गए हैं।

पंड्या को 20 सितंबर को वापसी करनी थी और चयनकर्ताओं ने उन्हें आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला में भारत ए टीम में चुना

तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलेंगे



था। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हार्दिक के ताजा स्कैन में उनकी दाहिनी पिंडली में चोट का पता चला। उन्हें दो सप्ताह पूरी तरह से आराम की सलाह दी गई है। बीसीसीआई की मेडिकल पैनल के प्रमुख डॉक्टर दिनेशों परदीवाला ने जापान से लौटकर उनकी रिपोर्ट देखी और वह तय करेंगे कि रिहैबिलिटेशन कब से शुरू हो सकता है।'



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77108 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



बांग्लादेश में हिंदू ज्वेलरी कारोबारी की हत्या

ढाका। बांग्लादेश में मयमनसिंह जिले के बेगुनबाड़ी इलाके में एक हिंदू व्यक्ति का शव डुम के अंदर



तैरता हुआ मिला। शव स्लूइस गेट के पास बरामद हुआ। मृतक की पहचान 50 साल के निरंजन चंद्र सूत्रधार के तौर पर हुई है, जो मयमनसिंह के अठारबारी बिल्डिंग इलाके में एक ज्वेलरी शॉप (साझेदारी में) चलाते थे। पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है कि निरंजन की हत्या किसने की या इसके पीछे क्या मकसद था।

यूएन में पाक पीएम शहबाज के फर्जी दावों की भारत ने खोली पोल

एजेंसी►न्यूयॉर्क



यूएन में भारतीय मिशन की प्रथम सचिव पेटेल गहलोत

भारतीय मिशन की प्रथम सचिव यानी फर्स्ट सेक्रेट्री पेटेल गहलोत ने 'राइट टू रिप्लाइ' का इस्तेमाल किया। न्यूयॉर्क शहर और पूरी दुनिया ने महज दो सप्ताह पहले 9/11 के भयावह आतंकी हमले की 25वीं बरसी मनाई है।

9/11 हमले के मास्टरमाइंड लादेन को इस्लामाबाद ने दी थी पनाह

पाक की बुनियाद ही ईशान्दि कानूनों पर टिकी

पाक में अल्पसंख्यकों से दुर्व्यहार हो रहा

रावलकोट में लोगों की हत्या और क्रूर हिंसा हो रही

कश्मीर भारत का हिस्सा नहीं: पाक का पुराना राग

यूएनजीए में पाकिस्तान की डिप्लोमैट सायमा सलीम ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मान्यता प्राप्त विवादित क्षेत्र है। इसका एक बड़ा हिस्सा लगभग आठ दशकों से कश्मीरी लोगों की हत्या के खिलाफ और अंतर्राष्ट्रीय कानून और सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का घोर उल्लंघन करते हुए भारत के जबरन कब्जे में है। कश्मीर कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था, न ही और न ही होगा।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा: भारत

गहलोत ने कहा कि भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का भी जिक्र किया गया। यह मेरे देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा। अगर हमें कश्मीर की बात करनी ही है, तो हमारा ध्यान पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की ओर होना चाहिए। रावलकोट के लोगों से पृष्ठिष्ट कि वे लंबे समय से मनमाणी हत्याओं, क्रूर हिंसा और बुनियादी अधिकारों से वंचित किए जाने का सामना कैसे कर रहे हैं। इस पूरे मुद्दे के केंद्र में पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद को लंबे समय से जारी रखने की नीति है। गहलोत ने कहा कि हमने लोकतांत्रिक अधिकारों और मानव मूल्यों पर ऐसे शासन से पाखंडी उपदेश सुने, जिसकी राजधानी इस समय अपने ही लोगों से बचाने के लिए किले में तब्दील की जा रही है।

दिन में शांति की बात रात में आतंकवाद

पेटेल गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान की वास्तविकता उसके 27वें संशोधन और उसके वास्तविक शासक को दी गई आजीवन छूट से सामने आती है। हमने जिन विचारों को सुना, वे ऐसे लोगों की ओर से आए हैं जिनका कट्टरता और नफरत का लंबा रिकॉर्ड रहा है।

आतंकवाद के खिलाफ हमें आत्मरक्षा का अधिकार

गहलोत ने कहा कि हमने पिछले साल दिखा दिया था कि आतंकवादियों के पास न भागने की जगह होगी और न छिपने की। आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा के अपने अधिकार का हम इस्तेमाल करेंगे और पाकिस्तान की ओर से जारी आतंकवाद के परिणाम होंगे। इससे स्वाभाविक रूप से उन संबंधों पर भी सवाल उठेंगे, जो मित्रता और सद्भावना की भावना पर आधारित माने जाते थे।

एआई का विकास और इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के अनुसार हो

एजेंसी►न्यूयॉर्क

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने समुद्री क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े मौकों और सुरक्षा जोखिमों पर बात की। जयशंकर ने कहा कि उन्हें ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्जि गेरापेट्रिटिस के साथ मिलकर 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के संदर्भ में एआई- समुद्री सुरक्षा पर खास जोर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता करके खुशी हुई।

एआई से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, इसके नतीजों का अंदाजा लगाने और इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके लिए ऐसे नजरिए की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रखे। एआई संसाधनों तक लोकतांत्रिक पहुंच, सुरक्षित और भरोसेमंद सिस्टम बनाने, इंसानी क्षमताओं में निवेश करने और आर्थिक विकास व सामाजिक भलाई के लिए एआई का इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है।

यूएन से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया से की अपील

समुद्र में एआई तकनीक का उपयोग आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए ही हो

जयशंकर ने एआई से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, इसके नतीजों का अंदाजा लगाने और इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके लिए ऐसे नजरिए की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रखे



बैठक को संबोधित करते विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर (मध्य में), ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्जि गेरापेट्रिटिस (दाएं)

► ब्रिक्स यूएन में सुधारों का पक्षधर

न्यूयॉर्क में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा आयोजित और ओआरएफ के प्रेसिडेंट स्मीर सरन द्वारा संचालित एक इंटरैक्टिव सेशन में बोलेते हुए जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स जैसे समूहों का बनना संयुक्त राष्ट्र का विकल्प नहीं है। ब्रिक्स संयुक्त राष्ट्र और उसमें सुधार का समर्थन करता है। ब्रिक्स समान सोच, हितों और नजरिए वाले देशों का समूह है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ब्रिक्स समिट ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका को फिर से दोहराया है।

पारदर्शिता और भरोसा जरूरी

समुद्री क्षेत्र में, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून (जिसमें समुद्र का कानून भी शामिल है) देशों के व्यवहार को नियंत्रित करने वाले जरूरी आधार बने हुए हैं। यह पक्का करने के लिए कि एआई का विकास और इस्तेमाल इन सिद्धांतों के अनुसार हो। ज्यादा पारदर्शिता, भरोसा बढ़ाने के उपाय, क्षमता विकास, तकनीकी सहयोग और बेहतर तौर-तरीकों का आदान-प्रदान जरूरी है।

आतंकवाद का लगातार समर्थन करने वाले देश के तर्क नहीं टिकेंगे

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को कड़ा जवाब देते हुए कहा कि "आतंकवाद का लगातार समर्थन करने वाले देश के इसे सामान्य बनाने और उसके परिणामों से बचने की कोशिश में ब्रिक्स तर्क नहीं टिकेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें उच्चस्तरीय सत्र में आम चर्चा के दौरान कहा, "आतंकवाद का लगातार समर्थन करने वाले एक देश ने कल इस महासभा के समक्ष तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया। संयुक्त राष्ट्र में शुक्रवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के संबोधन का बिना जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद को रसायन बनाने और उसके परिणामों से बचने के लिए तर्क दिए गए। उन्होंने कहा कि ये तर्क नहीं टिकेंगे।"

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमला, 10 की मौत

कीव। मास्को और कीव के बीच हवाई हमले बढ़ने के बाद बीते 24 घंटों के दौरान 10 लोगों के मारे



जाने की खबर है। रूस ने यूक्रेन पर क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों, शक्तिशाली ग्लाइड बमों और जेट-पावर्ड ड्रोन से जबरदस्त हमले किए हैं। यह सब मास्को द्वारा पड़ोसी पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू करने के साढ़े चार साल बाद हो रहा है।

भारत और अमेरिका के संबंध नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे

एजेंसी►न्यूयॉर्क

अमेरिका-भारत व्यापार समझौता दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाएगा। इससे उन क्षेत्रों में भी प्रगति का रास्ता खुलेगा, जहां दशकों से उपलब्धि हासिल नहीं हो सकी है। अमेरिका के विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। अधिकारी ने कहा कि व्यापार समझौते को लेकर दोनों देश लगभग 90 प्रतिशत तक पहुंच चुके हैं और कुछ अंतिम मुद्दों पर काम किया जा रहा है।

ट्रंप प्रशासन बोला- ट्रेड डील का '90 फीसदी' से ज्यादा काम पूरा

जल्द उत्साहजनक परिणाम मिलेगा



एआई इमेज

अधिकारी ने कहा कि यह समझौता वास्तव में अमेरिका-भारत संबंधों को एक और स्तर पर ले जाएगा। व्यापार के मामले में ऐसा स्तर हासिल नहीं हो सका है, जिस तक हम दशकों से पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार हमेशा दोनों देशों के संबंधों में सबसे बड़ा अड़चन वाला मुद्दा रहा है।

पाक: आत्मघाती हमले में 13 लोगों की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में विस्फोटकों से लदे एक वाहन के शनिवार को एक पुलिस चौकी को टक्कर मारने से



कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। पाक की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा रेस्क्यू 1122 के अनुसार, यह घटना डेरा इस्माइल खान जिले की दर्राजिदा तहसील में हुई।

एआई के संभावित खतरों को लेकर बिल गेट्स ने दी गंभीर चेतावनी

गलत हाथों में गई तकनीक तो 100 करोड़ मौतों का 'खतरा'

एजेंसी►न्यूयॉर्क

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और तकनीकी क्षेत्र के प्रमुख नाम बिल गेट्स ने एआई के संभावित खतरों को लेकर बेहद गंभीर चेतावनी दी है। एक साक्षात्कार में गेट्स से पूछा गया कि क्या एआई इतनी शक्तिशाली हो सकती है कि वह मानवता के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दे। जवाब में उन्होंने कहा कि एआई इतनी शक्तिशाली जरूर है कि गलत इरादे वाले लोगों के इस्तेमाल से ऐसी घटनाएं हो सकती हैं जिनमें एक अरब लोगों की मौत हो



बिल गेट्स एआई इमेज

जाए। उन्होंने साथ ही कहा कि नए एआई उपकरणों के साथ बुरे इरादे वाले लोगों का मेल इतिहास में अब तक देखे गए सबसे शक्तिशाली खतरों में से एक हो सकता है। गेट्स ने अगस्त में प्रकाशित अपने लेख में भी एआई के तीन बड़े खतरे बताए थे।

एआई पर सरकारी कानून बनाना जरूरी

बिल गेट्स ने अमेरिकी सरकार से एआई पर कानून बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कंपनियों का नियंत्रण पर्याप्त नहीं है और सरकारी निगरानी व नियम लागू करना जरूरी है। गेट्स ने एआई कंपनियों द्वारा खुद अपने लिए सुरक्षा नियम तय करने के विचार पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि केवल कंपनियों के स्व-नियमन से काम नहीं चलेगा। सरकारों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और नीति निर्माताओं को एआई की सुरक्षा, निगरानी और जवाबदेही के दावे में शामिल होना चाहिए। उनके मुताबिक एआई के लिए ऐसे सुरक्षा उपाय जरूरी हैं जिनसे यह पता लगाया जा सके कि अत्यधिक संकेत प्रणालियों का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है और किसी संभावित दुरुपयोग को समय रहते रोक जा सके।

उपभोक्ता संरक्षण कानून तोड़ा

मेटा के खिलाफ 4.3 करोड़

उल्लंघन, जूरी ने ठहराया दोषी

सोशल मीडिया कंपनी मेटा को न्यू मैक्सिको के सांता फे में एक जूरी ने कंपनी को राज्य के उपभोक्ता संरक्षण कानून के उल्लंघन का जिम्मेदार पाया है। यह मामला फेसबुक यूजर्स के डेटा के इस्तेमाल, प्राइवसी से जुड़े दावों और प्लेटफॉर्म पर हेट स्पीच व गलत सूचना से जुड़ी नीतियों को लेकर था। दो हफ्ते चली सुनवाई के बाद आए फैसले में जूरी ने पाया कि मेटा की ओर से दिए कई बयान यूजर्स को गुमराह करने वाले थे। अब फर्स्ट यूज्डिशियल डिस्ट्रिक्ट जज फ्रांसिस मैथ्यू यह तय करेंगे कि कंपनी पर कितनी सिविल पेनल्टी लगाई जाएगी। जूरी ने मेटा के खिलाफ 4.3 करोड़ से ज्यादा उल्लंघन पाए।



बेटियों से है मुस्कान बेटियों से ही है ये जहान

International Daughter's Day

के इस मौके पर दिवसा हर्बलज प्रा. लि. आपको दे रही है
Roop Mantra Apple Cider Detox (500ml)
के एक पैक की खरीद पर एक पैक बिल्कुल फ्री



1+1
Buy One, Get One FREE
No Shipping Charges*

ऑफर केवल आज के लिए मान्य है

Terms & Conditions

- दिए गए QR कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करें या हमारी वेबसाइट www.divisastore.com पर जायें।
- यह उपहार केवल उपभोक्ताओं के लिए है, यह सुरक्षित पैक होगा जिसे डुकानदार नहीं बेच पाएंगे।
- *Shipping charges are free (PREPAID) inclusive of all taxes.
- *As on 1+1 discount offer, Buy One unit of Roop Mantra Apple Cider Detox-500ml, worth M.R.P.: ₹325.00 get one pack absolutely free.
- No Coupon Code required for this offer.
- No return or replacement policy will be applicable for this offer.
- All rights Reserved.

Payment Modes: **RuPay** **VISA** **MasterCard** **Amo** **Paytm** **G Pay** **pay**

24x7 Helpline: 8775296666 | www.roopmantra.com | Available at all medical & general stores